मार्गशीर्ष शुक्ल - 1 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 138 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 13-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई है 'मोदी की गारंटी': भाजपा

6 भारत की एकता को बल देने वाला युगांतरकारी फैसला

7 अपने लिए कुछ मांगने के बजाय मर जाना पसंद करूंगा : शिवराज सिंह चौहान

फर्स्ट टेक

लाल सागर में यमन के तट के पास नार्वे के पोत पर हमला

दुबई/एपी। लाल सागर में यमन के तट के पास संदिग्ध रूप से हूती विद्रोहियों द्वारा दागी गई एक मिसाइल नार्वे के ध्वज वाले एक टैंकर से टकरा गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तेल और रासायनिक पदार्थ से लदे टैंकर 'स्ट्रिंडा' पर हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा 'बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य' के पास पोतों को निशाना बनाने के अभियान का विस्तार है। विद्रोही अब उन पोतों को निशाना बना रहे हैं जिनका इजराइल से कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। यह हमला स्वेज नहर से आने वाले मालवाहक पोतों और ऊर्जा नौवहन को संभावित रूप से खतरे में डालता है तथा गाजा पट्टी में चल रहे इजराइल-हमास युद्ध के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को बढ़ाता है। हूती विद्रोहियों ने अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन विद्रोही सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने कहा कि आने वाले घंटों में उनकी ओर से एक महत्वपूर्ण घोषणा की जाएगी।

भारत में प्रत्येक 834 व्यक्ति पर एक चिकित्सक : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि 80 प्रतिशत एलोपैथिक डॉक्टरों और 5.56 लाख आयुष डॉक्टरों की उपलब्धता को देखते हुए भारत में प्रति 834 व्यक्तियों पर एक चिकित्सक है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में 36.14 लाख नर्सिंग कर्मी हैं और देश में प्रति 476 लोगों की आबादी पर एक नर्सिंग कर्मी है।

अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में नवाज शरीफ बरी

इस्लामाबाद/भाषा। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अल-अजीजिया स्टील मिल भ्रष्टाचार मामले में बरी कर दिया। अदालत का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब अगले चुनाव में उनकी नजरें प्रधानमंत्री के तौर पर रिकॉर्ड चौथे कार्यकाल पर टिकी हैं। शरीफ (73) को भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने दिसंबर 2018 में सात साल की जेल की सजा सुनाई थी और उन पर भारी जुर्माना लगाया था। अदालत ने शरीफ की यह दलील स्वीकार नहीं की थी कि 2001 में उनके पिता द्वारा सऊदी अरब में स्थापित स्टील मिल से उनका कोई लेना-देना नहीं था। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अल-अजीजिया मामले में शरीफ को बरी कर दिया। उन्हें एवेनफील्ड मामले में पहले ही बरी कर दिया गया था, जिसमें उन्हें जुलाई 2018 में दोषी ठहराया गया था और दस साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

13-12-2023 सूर्यास्त 5:43 बजे | 14-12-2023 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
69,551.03	20,906.40
(-377.50)	(-90.70)

सोना	चांदी
6,565 रु.	83,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीतिक दाँव

जो थे भ्रम में हम है राजा,
छूटे उनके गाँव।
अंगद समझ रहे थे खुद को,
उखड़े उनके पाँव।
राजनीति में कब छिन जाए,
किसकी पक्की ठाँव।
सारे चतुर खिलाड़ी इसमें,
सबके अपने दाँव।।

भारत जल्द ही कृषि, स्वास्थ, शिक्षा के लिए एआई मिशन शुरू करेगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत कृषि, स्वास्थ और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही एआई मिशन शुरू करने की तैयारी में है।

मोदी ने एआई के क्षेत्र में सावधानी के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों पर एआई का गहरा असर पड़ने जा रहा है। एआई के अंधेरे पक्षों की ओर से संभावित चुनौतियों और खतरों से बचाव की जरूरत है। प्रधानमंत्री यहां एआई पर वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन जीपीएआई (2023) का उद्घाटन कर रहे थे। उद्घाटन सत्र को सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी संबोधित किया और इसमें राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर भी उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार पर मोदी का कांग्रेस पर तंज, जब देश में कांग्रेस है तो 'मनी हाइस्ट' कथा की जरूरत किसे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़े परिसरों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी के मुद्दे पर मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और इसके लिए एक लोकप्रिय क्राइम सीरिज का हवाला दिया।

प्रधानमंत्री की यह प्रतिक्रिया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'एक्स' पर एक पोस्ट किए गए उस वीडियो के जवाब में आई है, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ साहू की तस्वीरें और झारखंड के सांसद से जुड़े परिसरों पर आयकर छापे के दौरान बरामद नकदी के ढेर दिखाई दे रहे है। वीडियो में राहुल गांधी को नोटों के ढेर पर लेटे दिखाया गया है। भाजपा ने वीडियो के साथ लिखा 'कांग्रेस प्रस्तुत करती है मनी हाइस्ट' जबकि पृष्ठभूमि में क्राइम सीरिज का लोकप्रिय शीर्षक गीत बज रहा है।

'मनी हाइस्ट' एक स्पेनिश ड्रामा सीरिज है जिसकी कहानी के केंद्र में डकैती है। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, ''भारत में 'मनी हाइस्ट' कथा की जरूरत किसे है, जब आपके पास कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस की डकैतियां 70 वर्षों से प्रसिद्ध हैं और अभी भी जारी हैं।''

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया था कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साहू के परिवार के स्वामित्व वाली ओडिशा स्थित बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आयकर विभाग की छापेमारी में 351 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई है और यह देश में किसी भी जांच एजेंसी द्वारा एक कार्रवाई में अब तक की सबसे अधिक बरामदगी है।

भजनलाल शर्मा होंगे राजस्थान के नए मुख्यमंत्री

दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े और पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा राजस्थान के नए मुख्यमंत्री होंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की मंगलवार शाम यहां हुई बैठक में शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही राज्य में नए मुख्यमंत्री को लेकर कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। पार्टी द्वारा विधायक प्रेमचंद बैरवा व दीया कुमारी को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की गई है।

शर्मा ने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पहली प्रतिक्रिया में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। शर्मा बाद में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से मिले। पार्टी की ओर से सरकार बनाने का दावा पेश किया गया।

राजनाथ सिंह ने मीडिया को बताया कि विधायक दीया कुमारी व प्रेम चंद बैरवा उपमुख्यमंत्री होंगे। वहीं वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे।

लोकसभा में आपराधिक कानूनों की जगह लाए गए तीनों विधेयक वापस, नए विधेयक पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद की स्थायी समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों के मद्देनजर मंगलवार को लोकसभा में आपराधिक कानूनों से संबंधित तीन विधेयकों को वापस ले लिया और इनकी जगह नए विधेयक पेश किए।

शाह ने संसद के मानसून सत्र में सदन में पेश किए गए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने नए विधेयकों को पेश किया।

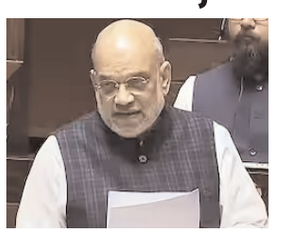

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेने के लिए लाया गया है। शाह ने मानसून सत्र के दौरान 11 अगस्त को सदन में ये विधेयक पेश किए थे। बाद में इन्हें गृह मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति के पास भेज दिया गया था। नए सिरे से पेश किए गए विधेयकों में आतंकवाद की परिभाषा समेत कम से कम पांच बदलाव किए गए हैं।

भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक में आतंकवाद की परिभाषा में अब अन्य परिवर्तनों के साथ-साथ ''आर्थिक सुरक्षा'' शब्द भी शामिल है।

'सामना' में प्रधानमंत्री के बारे में आपत्तिजनक लेख लिखने पर संजय राउत के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज

यवतमाल (महाराष्ट्र)/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक लेख लिखने के आरोप में पार्टी के सांसद संजय राउत के खिलाफ राजद्रोह और अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के यवतमाल जिला समन्वयक नितिन भुटाड़ा की ओर से राज्यसभा सदस्य राउत के खिलाफ की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। 'सामना' के कार्यकारी संपादक राउत ने पलटवार करते हुए भाजपा पर ''सेंसरशिप'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''भाजपा को यह कहने का कोई अधिकार नहीं है कि वह आपातकाल के खिलाफ खड़ी हुई थी क्योंकि लड़ाई इसी तरह की सेंसरशिप के खिलाफ थी। सामना में आलोचना राजनीतिक है।'' शिकायत में भुटाड़ा ने दावा किया कि राउत ने 10 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख लिखा था। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को यहां उमरखेड़ थाने में राउत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) (राजद्रोह), 153 (ए) (धर्म, जाति, जन्म स्थल, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 505 (2) (समुदायों के बीच शत्रुता, घृणा या द्वेष पैदा करने या बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की तारीख का ऐलान किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की तारीख की घोषणा की। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी। सीबीएसई के मुताबिक, 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 13 मार्च को और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं दो अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''परीक्षा कार्यक्रम तैयार करते समय बोर्ड ने इस बात का ध्यान रखा है कि दो विषयों के बीच समय का पर्याप्त अंतर हो। बारहवीं कक्षा के लिए परीक्षा कार्यक्रम तय करते समय जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखों को ध्यान में रखा गया है।''

वित्तीय स्थिति के बारे में पूछने की वजह से केरल के मुख्यमंत्री ने हमले की साजिश रची : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मंगलवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के इशारे पर 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं ने एक दिन पहले उनकी कार पर हमला किया था।

राज्यपाल ने इस हमले का कारण राज्य सरकार की वित्तीय हालत पर एक रिपोर्ट मांगे जाने को बताया।

खान ने तिरुवनंतपुरम में हुई घटना के एक दिन बाद केरल भवन में संवाददाताओं से कहा, ''मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि सरकार राज्यपाल के हर सवाल का जवाब देने के लिए बाध्य नहीं है। वह जवाब नहीं दें। मैं 10 दिन तक इंतजार करूंगा। और फिर, यदि राज्य संकट में है, तो यह मेरा कर्तव्य है कि मैं केंद्र सरकार को अपनी सिफारिश करूं।'' उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्य सचिव ने उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में कहा है कि केरल सरकार कर्मचारियों की पेंशन देने की स्थिति में भी नहीं है।

राज्यपाल ने कहा, ''इसका मतलब राज्य में वित्तीय आपातकाल लगाने की जरूरत है। और मैंने एक रिपोर्ट मांगी है।'' खान ने दावा किया कि उच्च न्यायालय में मुख्य सचिव के हलफनामे के बाद उन्होंने केरल की वित्तीय स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है, जिस कारण राज्य सरकार उनसे ''इतनी नाराज'' है।

माकपा से संबद्ध एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने उस वक्त केरल के राज्यपाल की कार को कथित तौर पर टक्कर मार दी, जब वह दिल्ली जाने के लिए तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जा रहे थे।

खान ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने ही यह साजिश (उन पर हमले की) रची थी। तीन दिन पहले उन्होंने एक सार्वजनिक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि राज्यपाल छात्रों को उकसा रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि मैं कैसे उन्हें (छात्रों को) उकसा रहा हूं।''

केरल भवन में खान से मिलने के बाद, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने सोमवार की घटना को लेकर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की आलोचना की और कहा कि यह केरल में कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाता है।

इसरो 2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। चंद्रयान-3 मिशन की ऐतिहासिक सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 2040 तक चंद्रमा पर पहली बार भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की अपनी योजना पर जोर-शोर से काम कर रहा है।

बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी वर्तमान में देश के पहले मानवयुक्त मिशन गगनयान पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है।

अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ ने कहा कि मिशन के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना के चार पायलट बेंगलुरु में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

'मनोरमा ईयरबुक 2024' के लिए एक विशेष आलेख में सोमनाथ ने लिखा, इसरो का लक्ष्य गगनयान कार्यक्रम के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में अगला कदम उठाना है, जिसमें 2 से 3 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को तीन दिन तक कम पृथ्वी की कक्षा (एलईओ) में भेजने की योजना है, जिसके बाद उन्हें भारतीय जलक्षेत्र में पूर्वनिर्धारित जगह पर सुरक्षित रूप से उतारा जाएगा।''

आरएसएस प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा पीओके ही नहीं सीओके भी हमारा होना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर से जुड़े अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने के सरकार के फैसले की वैधता को उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखे जाने के एक दिन बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा है कि न सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) बल्कि चीन के कब्जे वाला कश्मीर (सीओके) भी भारत में होना चाहिए।

पीटीआई-वीडियो को दिए एक साक्षात्कार में इंद्रेश कुमार ने दावा किया कि अब वह दिन दूर नहीं जब देश को इसमें भी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, ''अब तो पीओके ही नहीं सीओके भी आना चाहिए। कैलाश मानसरोवर चीन से मुक्त होना चाहिए। लद्दाख का जो बहुत बड़ा भू-भाग, जम्मू-कश्मीर का जो भू-भाग चीन के कब्जे में है, वह भी आना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''वह दिन दूर नहीं है, जब इसमें सफलता मिलेगी।''

चीन के कब्जे वाले कश्मीर (सीओके) में 37,555 वर्ग किलोमीटर अक्साई चीन और 5,180 वर्ग किलोमीटर शक्सगाम और छीना हुआ क्षेत्र शामिल है। इस पर चीन का अवैध कब्जा है। भारत का कहना है कि अक्साई चीन सहित पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है जबकि चीन ने हमेशा दावा किया है कि अक्साई चिन शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र (शिनजियांग उइगुर) है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर के घर-घर और गांव-गांव में आज खुशहाली आई है और वहां एक नए सूर्य का उदय हुआ है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जहां पहले 'भारत माता की जय' के नारे तक नहीं लगाए जाते थे आज वहां न सिर्फ यह नारा लगता है बल्कि 'सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा' भी गुनगुनाया जाता है।

उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के केंद्र के फैसले को सोमवार को बरकरार रखा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को ही संसद में जम्मू-कश्मीर से संबंधित दो विधेयकों पर चर्चा का जवाब देते हुए था कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है और कोई भी इसे छीन नहीं सकता। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कहा कि आरएसएस की शाखाओं में आने से किसी को मनाही नहीं है लेकिन इसके लिए एक शर्त जरूरी है कि वह भारत को अपना राष्ट्र मानता हो। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''हमने किसी को रोका नहीं है। किसी पर प्रतिबंध नहीं है। वह किसी जाति धर्म या संप्रदाय के हों, जो भारत को अपना राष्ट्र मानते हैं और जो भारतीयता में आस्था रखते हैं और जो संविधान को मानते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीवदया

बेंगलूरु के जैन एकता मंच की टीम ने कृपा लविंग एनिमल होम का दौरा कर आवश्यकतानुसार कुत्तों के लिए दवाइयां व सिरप उपलब्ध कराएं। ज्ञातव्य है कि कृपा लिविंग एनिमल होम 300 से अधिक निराश्रित जानवरों का घर है। ये कुत्ते आमतौर पर बीमार या शारीरिक रूप से विकलांग होते हैं। इस केन्द्र में 300 से अधिक कुत्ते, घोड़े, गधे, गाय, बिल्लियाँ और पिल्लों की देखरेख की जा रही है। केन्द्र में 3 डॉक्टरों के साथ 15 कर्मचारियों की एक समर्पित टीम है तो मूक प्राणियों की अच्छी तरह से देखभाल करती है।

'अनुच्छेद 370 पर केंद्र का फैसला जम्मू कश्मीर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयास को बढ़ावा देगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 के निरसन के फैसले को बरकरार रखा जाना जम्मू-कश्मीर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने और वंचित वर्गों को न्याय प्रदान करने के केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन के प्रयासों को बढ़ावा देगा।

सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को एक 'नए जम्मू -कश्मीर' की नींव रखी थी और शीर्ष अदालत के फैसले ने लोगों में एक नई आशा पैदा की है और यह एकता और राष्ट्र की अखंडता की जड़ों को और मजबूत करेगा। डोगरा राजपूत शासक गुलाब सिंह के सैन्य जनरल ज़ोरावर सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा, उच्चतम न्यायालय ने (अनुच्छेद 370 पर) कल अपना फैसला दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि जम्मू -कश्मीर के लोगों के फायदे के लिए (अगस्त 2019 में) संसद द्वारा पारित किया गया प्रस्ताव पूरी तरह से संवैधानिक था। मैं उस निर्णय का स्वागत करता हूं जो राष्ट्र की एकता और अखंडता की जड़ों को और मजबूत करेगा। जोरावर सिंह 1842 में 12 दिसंबर को शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत के निर्णय से वंचित वर्गों के लिए सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित होंगे और 'नए जम्मू -कश्मीर' के लक्ष्य को प्राप्त करने के सरकार के प्रयासों को और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।

सिन्हा ने कहा कि यह निर्णय लोगों में एक नया उत्साह पैदा करेगा और लोगों को अनुच्छेद 370 के चंगुल से मुक्त कराने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना के अनुरूप जम्मू-कश्मीर के आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रयास को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 के निरसन के बाद, जम्मू-कश्मीर की स्थिति ने एक सकारात्मक बदलाव देखा है ... अब हड़ताल कैलेंडर हमारे पड़ोसी देश द्वारा जारी नहीं किए जाते हैं और पत्थरबाज़ी इतिहास बन गई है।

उपराज्यपाल ने कहा कि लोग घाटी में रात्रि जीवन और सिनेमाघरों की वापसी के साथ सामान्य स्थिति का आनंद ले रहे हैं, जहां नए सपने और नई जीवन शैली सामने आई है। सिन्हा ने कहा, जम्मू - कश्मीर को अब आतंकवाद के बजाय एक पर्यटन केंद्र के रूप में जाना जाता है। पिछले साल रिकॉर्ड संख्या में 1.88 करोड़ पर्यटकों ने इस क्षेत्र का दौरा किया और इस साल नवंबर तक, दो करोड़ से ज्यादा सैलानी आ चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश कैबिनेट का विस्तार: राजेश धर्माणी और यादवेंदर गोमा मंत्री बनाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाले एक साल पुराने मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है और उसमें राजेश धर्माणी और यादवेंदर गोमा को कैबिनेट मंत्री के तौर पर मंगलवार को शामिल किया गया। ग्यारह महीने बाद राज्य मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार हुआ है। इसके साथ ही अब कैबिनेट में सदस्यों की संख्या 11 हो गई है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने यहां राजभवन में एक समारोह में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई।

धर्माणी (51) पूर्व मुख्य संसदीय सचिव हैं और घुमारवीं से तीन बार के विधायक हैं, जबकि 37 वर्षीय गोमा जयसिंहपुर से दो बार के विधायक हैं। दोनों नेताओं के पास इंजीनियरिंग एवं एमबीए की डिग्रियां हैं।

पिछले साल 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के शपथ ग्रहण के बाद आठ जनवरी को मंत्रिमंडल का विस्तार कर सात कैबिनेट मंत्रियों को शामिल किया गया था।

आरक्षण मुद्दे पर नई पीढ़ी में उम्मीद जगाने की जिम्मेदारी केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न समुदायों को आरक्षण के मुद्दे पर नई पीढ़ी में उम्मीद जगाने की जिम्मेदारी केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर है, जो एक ''गंभीर'' मुद्दा बन गया है।

पवार का बयान राज्य में मराठा समुदाय द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर जारी आंदोलन की पृष्ठभूमि में आया है। उन्होंने कहा, ''केंद्र और राज्य की जिम्मेदारी है कि आरक्षण के मुद्दे पर नई पीढ़ी को उम्मीद दें, चाहे वह मराठा, धनगर, लिंगायत या मुस्लिम (समुदायों) को आरक्षण का मामला हो। यह (आरक्षण) एक गंभीर मुद्दा बन गया है।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री यहां राकांपा विधायक (शरद पवार गुट) रोहित पवार द्वारा शुरू की गई 'युवा संघर्ष यात्रा' के समापन पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पवार ने कहा कि यात्रा ने 32 दिनों में 800 किलोमीटर की दूरी तय की और महाराष्ट्र के 10 जिलों के 20 तालुकाओं और 400 गांवों से होकर गुजरी।

यह यात्रा शरद पवार के 83वें जन्मदिवस के अवसर पर संपन्न हुई। शरद पवार ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार को ''जगाना'' था, क्योंकि वे इस कर्तव्य (विभिन्न समुदायों को आरक्षण प्रदान करना) का निर्वहन नहीं कर रहे हैं।

पुरानी पेंशन योजना के खिलाफ मेरा पहले का रुख बदल गया है: अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि पुरानी पेंशन योजना के खिलाफ उनका पहले का रुख बदल गया है और वह इस पर सकारात्मक रूप से पुनर्विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वेतन, पेंशन राशि और राज्य के वित्त पर इसके बोझ के बीच संतुलन बनाना चाहती है।

पवार ने नागपुर में पत्रकारों से कहा कि वह, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के मुद्दे पर पहले ही प्राथमिक चर्चा कर चुके हैं। महाराष्ट्र में कई सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारी ओपीएस की बहाली की मांग कर रहे हैं, जिसे 2005 में राज्य में बंद कर दिया गया था। ओपीएस के तहत सरकारी कर्मचारी को उसके अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर मासिक पेंशन मिलती थी। कर्मचारियों द्वारा अंशदान की कोई आवश्यकता नहीं थी। नई पेंशन योजना के तहत राज्य सरकार का कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का दस प्रतिशत योगदान देता है और राज्य भी उतना ही योगदान करता है।

पवार ने कहा, 'देवेंद्र फडणवीस ने ओपीएस के प्रति अपना विरोध जताया था। जब मैं पहले राज्य का वित्त मंत्री था तो मैंने भी एक सत्र के दौरान ऐसी ही बातें कही थीं लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार, केंद्र इस लंबित मुद्दे को हल करने के बारे में सोच रहा है, जिससे लोगों को आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा। (केंद्र) सरकार आगामी लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे पर गंभीरता से काम कर रही है।''

फडणवीस ने इंस्टाग्राम के जरिये मादक पदार्थों की बिक्री पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंस्टाग्राम पर मादक पदार्थ संबंधी गतिविधियों में वृद्धि पर चिंता जताते हुए कहा कि यह मंच अवैध वस्तुओं की ब्रिकी के बाजार में तब्दील हो गया है।

उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यहां महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान विधान परिषद में कहा कि 'डार्क नेट' के माध्यम से भी मादक पदार्थ बेची जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''इंस्टाग्राम मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री के बाजार के रूप में उभरा है, जहां ऑर्डर दिए जा रहे हैं, भुगतान जी-पे और यूपीआई के माध्यम से किया जा रहा है और उनकी आपूर्ति की जा रही है।'' विधान पार्षद महादेव जानकर, सचिन अहीर, अनिल परब और अन्य के सवालों का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि इस संबंध में निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कूरियर कंपनियों से पार्सल की जांच करने की अपील की गई है और मादक पदार्थ के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए कूरियर कार्यालयों में आधुनिक प्रौद्योगिक की मदद से औचक जांच की जा रही है।

वैश्विक स्तर पर भारत में 2024 मार्च तिमाही में भर्तियों की सबसे अधिक संभावना: सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अगले तीन महीनों में कॉर्पोरेट जगत में भर्तियों की संभावना वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है। एक सर्वेक्षण में यह बात कही गई। 'मैनपावरग्रुप एम्प्लॉयमेंट आउटलुक सर्वे' के अनुसार, 37 प्रतिशत नियोक्ता घरेलू मांग की स्थिति के बीच अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों के करीब 3,100 नियोक्ताओं के सर्वेक्षण में भारत में नेट एम्प्लॉयमेंट आउटलुक (एनईओ) 41 देशों में सबसे अधिक है।

मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, '' घरेलू मांग में उछाल और भारत को एक आकर्षक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निजी निवेश का प्रवाह जारी है। राजनीतिक क्षेत्र में स्थिरता के साथ, प्रगतिशील भारत एक सपना नहीं बल्कि एक वास्तविकता है।'' सर्वेक्षण के अनुसार, भारत और नीदरलैंड ने नेट एम्प्लॉयमेंट आउटलुक (एनईओ) सबसे अधिक 37 प्रतिशत रहा। इसके बाद कोस्टा रिका तथा अमेरिका 35 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं और मेक्सिको 34 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

वित्त तथा रियल एस्टेट में सबसे अधिक 45 प्रतिशत और उसके बाद सूचना प्रौद्योगिकी में 44 प्रतिशत तथा उपभोक्ता सामान व सेवाओं में 42 प्रतिशत भर्तियों की संभावना है। गुलाटी ने कहा, '' सर्वेक्षण काम के लिहाज से बदलती दुनिया को दर्शाता है जहां कंपनियां बदलाव के चरण में हैं लेकिन उन लोगों की कमी है जिनमें वांछित कौशल हो।''

देश में अवैध प्रवासियों का आंकड़ा जुटाना संभव नहीं: केंद्र ने शीर्ष अदालत से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों संबंधी आंकड़ा जुटना संभव नहीं है, क्योंकि ऐसे लोग देश में चोरी-छिपे प्रवेश करते हैं। शीर्ष अदालत असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर रही है।

उच्चतम न्यायालय में दाखिल किये गये हलफनामे में केंद्र ने कहा कि इस प्रावधान के तहत 17,861 लोगों को नागरिकता प्रदान की गई है। न्यायालय द्वारा सात दिसंबर को पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए केंद्र ने कहा कि 1966-1971 की अवधि के संदर्भ में विदेशी न्यायाधिकरण के आदेशों के तहत 32,381 ऐसे लोगों को पता लगाया गया जो विदेशी थे। अदालत ने यह भी पूछा था कि 25 मार्च 1971 के बाद भारत में अवैध तरीके से घुसे प्रवासियों की अनुमानित संख्या कितनी है, इस पर केंद्र ने जवाब देते हुए कहा कि अवैध प्रवासी बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के गुप्त तरीके से देश में प्रवेश कर लेते हैं।

केंद्र ने कहा, ''अवैध रूप से रह रहे ऐसे विदेशी नागरिकों का पता लगाना, उन्हें हिरासत में लेना और निर्वासित करना एक जटिल प्रक्रिया है। चूंकि देश में ऐसे लोग गुप्त तरीके से और चोरी-छिपे प्रवेश कर जाते हैं, इसलिए देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे ऐसे अवैध प्रवासियों का सटीक आंकड़ा जुटाना संभव नहीं है।'' सरकार ने कहा कि 2017 से 2022 तक पिछले पांच वर्षों में 14,346 विदेशियों को निर्वासित किया गया है। केंद्र ने कहा वर्तमान में असम में 100 विदेशी न्यायाधिकरण काम कर रहे हैं और 31 अक्टूबर 2023 तक 3.34 लाख से अधिक मामले निपटाए जा चुके हैं। हलफनामे में कहा है कि 1 दिसंबर 2023 तक विदेशी न्यायाधिकरण के आदेशों से संबद्ध 8,461 मामले गुवाहाटी उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। सरकार ने असम पुलिस के कामकाज, सीमाओं पर बाड़ लगाने, सीमा पर गश्त और घुसपैठ को रोकने के लिए उठाये गये अन्य कदमों का भी विवरण दिया।

अडाणी पोर्ट्स 5,250 करोड़ रुपये जुटाएगी

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपी-सेज) गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर और तरजीही आधार पर गैर-संचयी विमोच्य शेयर जारी कर 5,250 करोड़ रुपये से अधिक जुटाएगी।

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''कंपनी के निदेशक मंडल ने पूंजीगत व्यय/मौजूदा कर्ज के पुनर्वित्त और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्य के लिए 5,000 रुपये तक की राशि जुटाने को लेकर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह डिबेंचर निजी नियोजन आधार पर एक या अधिक किस्तों में जारी किए जाएंगे।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह निजी नियोजन के आधार पर गैर-संचयी विमोच्य तरजीही शेयर जारी कर 250.19 करोड़ रुपये तक राशि जुटाएगी। यह राशि एक या एक से अधिक किस्तों में जुटायी जाएगी।

पूरे देश में 15,000 'नमो ड्रोन दीदी' को प्रशिक्षण दिया जाएगा: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि के क्षेत्र में महिलाओं का बेहतर योगदान सुनिश्चित करने और ड्रोन के जरिये खेती को आसान बनाने की सरकार की योजना के तहत पूरे देश में 15,000 'नमो ड्रोन दीदी' को प्रशिक्षित किया जाएगा।

यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान दी। करंदलाजे ने लोक जन शक्ति पार्टी (एलजेएसपी) के महबूब अली कैसर के एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष लाल किले के प्राचीर से कहा था कि सरकार महिलाओं को भी ड्रोन संचालन के लिए प्रशिक्षित करेगी और इसी के मद्देनजर 15,000 महिलाओं को ड्रोन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन 'नमो ड्रोन दीदी' के साथ एक सहायिका को भी प्रशिक्षित किया जाना है और इस प्रकार 30,000 महिलाओं को ड्रोन प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे कृषि कार्यों में ड्रोन के इस्तेमाल में महत्वपूर्ण निभा सकें। ग्रामीण इलाकों में ड्रोन की कमी के संबंध में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की के. कनिमोई के पूरक प्रश्न के उत्तर में करंदलाजे ने कहा कि इसके लिए ड्रोन उत्पादकों को सरकार सहायता प्रदान कर रही है, साथ ही एक निजी कंपनी को ड्रोन की आपूर्ति के लिए कहा गया है। राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कौशल विकास का कार्यक्रम पूरे देश में जारी है और कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार के कौशल विकास विभाग, राज्यों के विभिन्न कृषि विवि और कृषि विज्ञान केंद्रों व 'आत्मा' योजना के तहत किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

एआई में वैश्विक चुनौतियों से निपटने, जीवन बेहतर करने की क्षमता : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना प्रसारण (आईटी) और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) में वैश्विक चुनौतियों से निपटने और दुनियाभर में जीवन स्तर बेहतर करने की क्षमता है। 'कृत्रिम मेधा पर वैश्विक साझेदारी (जीपीएआई) सम्मेलन 2023' में संबोधित करते हुए वैष्णव ने इसे एआई पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम बताया।

वैष्णव ने कहा कि एआई से चुनौतियां भी आती हैं क्योंकि यह भौगोलिक सीमाओं को नहीं मानती है। उन्होंने कहा, एआई जैसी बदलाव लाने प्रौद्योगिकियां इस बात पर सवाल उठाती हैं कि समाज को ऐसे विकास पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। वैष्णव ने कहा कि भारत प्रौद्योगिकी के लोकतांत्रीकरण और समावेशी वृद्धि के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

रुपये को अंतरराष्ट्रीय रूप देने के लिये कदम उठाने का उपयुक्त समय : आरबीआई अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक राधा श्याम राठो ने मंगलवार को कहा कि गंभीर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत एक आकर्षक स्थान बना हुआ है और रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण एक स्वाभाविक कदम है।

राठो ने कहा कि हालांकि रुपये को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का रास्ता सुगम नहीं हो सकता क्योंकि इसमें लंबी अवधि तक कई बाधाओं को पार करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''संयोग से, हाल के वर्षों में वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल के साथ देशों को अधिक मांग वाली मुद्राओं (डॉलर) के हथियार के रूप में उपयोग से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को कम करने के लिए मुद्रा विविधीकरण की जरूरत महसूस की गयी है।'' राठो ने कहा कि 'बड़े खतरों' का सामना कर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के विपरीत, भारतीय अर्थव्यवस्था वर्तमान में 'गोल्डीलॉक्स' समय से गुजर रही है और प्रतिकूल बाह्य झटकों के बावजूद पिछले तीन-चार साल में उल्लेखनीय मजबूती दिखायी है। 'गोल्डीलॉक्स' स्थिति से आशय ऐसे समय से है जब अर्थव्यवस्था आदर्श स्थिति में होती है। इसमें न तो ज्यादा गिरावट आती है और न ही बहुत तेज उछाल आता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर रोजगार सृजन के लिए सबसे ज्यादा दबाव: रघुराम राजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का मानना है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत में रोजगार सृजन को लेकर काफी दबाव बना हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कौशल विकास के जरिये मानव पूंजी में सुधार की भी पुरजोर वकालत की है।

राजन ने पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर रोहित लांबा के साथ संयुक्त रूप से लिखी अपनी किताब 'ब्रेकिंग द मोल्ड: रिइमेजिनिंग इंडियाज इकनॉमिक फ्यूचर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी 1.4 अरब की मानव पूंजी है। हालांकि, इस पूंजी को मजबूती देना सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

अमेरिका के शिकॉगो बूथ में वित्तीय मामलों के कैथरीन ड्यूसेक मिलर विशिष्ट सेवा प्रोफेसर राजन ने कहा कि भारत को विकास की राह पर आगे बढ़ते हुए हर स्तर पर नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''नौकरियां भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण दबाव बिंदु हैं। अगर हमारे पास निजी क्षेत्र में अधिक नौकरियां होतीं, तो क्या आरक्षण को लेकर इतना दबाव होता? शायद कुछ हद तक यह कम होता।'' इसके साथ ही उन्होंने राज्यों के स्तर पर नौकरियों को अपने निवासियों के लिए आरक्षित करने की प्रवृत्ति को भी चिंताजनक बताया। राजन ने पीटीआई-भाषा के साथ खास बातचीत में कहा, ''यह दर्शाता है कि हम नौकरियां नहीं दे पा रहे हैं। मैं कहूंगा कि यह बुनियादी चिंता है। हम एक संगठित देश हैं। आप अपने राज्य में अपने निवासियों के लिए नौकरियां आरक्षित नहीं कर सकते। इसे हर किसी के लिए उपलब्ध होना चाहिए।''

मानव पूंजी में सुधार के संदर्भ में राजन ने कहा, ''अगर हम हाई स्कूल की अच्छी तरह पढ़ाई करने वाले युवाओं में से कुछ को व्यावसायिक प्रशिक्षण देते हैं तो अगले एक साल में बहुत सारी नौकरियां पैदा हो सकती हैं और देश को रोजगार पैदा करने के लिए 10 साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम मानव पूंजी में सुधार करते हैं, तो आज की सबसे बड़ी समस्या नौकरियां खुद-ब-खुद सृजित हो जाएंगी। अगर आप कार्यबल की गुणवत्ता को बेहतर करते हैं तो कंपनियां भारत का रुख करेंगी। लोगों को कुशल बनाकर औसत नौकरियों को भी अच्छे रोजगार में बदला जा सकता है।''

भाजपा सरकार के दोबारा सत्ता में आने की काफी संभावना: फिच रेटिंग्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी फिच का अनुमान है कि भारत में अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनावों में मौजूदा सत्ता के ही दोबारा जीतकर आने की 'काफी हद तक संभावना' है। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को बयान में आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर अपना आकलन पेश करते हुए कहा कि मौजूदा प्रशासन के दोबारा लौटकर आने की अधिक संभावना होने से भारत में नीतियों को लेकर निरंतरता बने रहने की उम्मीद है।

हालांकि, अगली सरकार को चुनाव में मिलने वाले बहुमत का आकार ही यह तय करेगा कि सरकार अपने सुधारों के एजेंडा पर कितने महत्वाकांक्षी ढंग से आगे बढ़ पाती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''हमारी काफी हद तक यह राय है कि भारत और बांग्लादेश में मौजूदा सरकार के पास ही सत्ता बनी रहेगी। भारत में अगले साल अप्रैल-मई और बांग्लादेश में जनवरी में आम चुनाव होने वाले हैं। ऐसा होने पर व्यापक नीतिगत निरंतरता बने रहने का संकेत मिलता है।'' फिच ने भारत को 'बीबीबी-' रेटिंग के साथ स्थिर परिदृश्य दिया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली मौजूदा सरकार का इस समय दूसरा कार्यकाल चल रहा है। यह सरकार पहली बार वर्ष 2014 में चुनकर आई थी और वर्ष 2019 में इसने अपनी सत्ता बरकरार रखी थी।

अगर मोदी सरकार फिर से चुनाव जीतने में सफल रहती है तो यह इसका लगातार तीसरा कार्यकाल होगा।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एशियाई क्षेत्र के रेटिंग पोर्टफोलियो में शामिल करीब आधे देशों में वर्ष 2024 में संसद या राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों में निरंतरता का मुद्दा प्रमुखता से छाए रहने की उम्मीद है।

हालांकि, पाकिस्तान एवं श्रीलंका में चुनावी नतीजों का इन देशों के क्रेडिट प्रोफाइल पर असर पड़ने की आशंका भी है। इसकी वजह यह है कि ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से मिले राहत पैकेज कार्यक्रम पर काफी हद तक निर्भर हैं।

फेडेक्स आईआईटी-मुंबई, आईआईटी-मद्रास को सीएसआर के तहत करोड़ डॉलर का अनुदान देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फेडेक्स एक्सप्रेस ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहले के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मुंबई और आईआईटी-मद्रास को एक करोड़ डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस अनुदान से दोनों संस्थानों को अपने परिसरों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने में मदद मिलेगी।

कंपनी ने बयान में कहा कि यह सहयोग प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने, प्रतिभा का लाभ उठाने, पर्यावरण अनुकूलता और स्टार्टअप वृद्धि को बढ़ावा देने की फेडेक्स की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

फेडेक्स ने बयान में कहा, फेडेक्स ने आईआईटी-मुंबई और आईआईटी-मद्रास को एक करोड़ डॉलर का सीएसआर अनुदान देने का वादा किया है।

बयान के अनुसार, यह पहल विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त 'उत्कृष्टता केंद्र' (सीओई) की स्थापना में योगदान देगी, जो दोनों आईआईटी परिसरों में भौतिक बुनियादी ढांचे के भीतर रणनीतिक रूप से स्थित है।

कंपनी ने कहा कि फेडेक्स, आईआईटी-मुंबई और आईआईटी मद्रास के बीच सहयोग प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभाओं के तालमेल से लॉजिस्टिक्स उद्योग मानकों को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

द्रमुक सदस्य की विवादास्पद टिप्पणी ने 'इंडिया' गठबंधन के 'वैचारिक विरोधाभास' को उजागर किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर विधेयकों पर चर्चा के दौरान द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक सदस्य की विवादास्पद टिप्पणी ने विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन में व्याप्त 'वैचारिक विरोधाभास और भ्रम' को एक बार फिर सामने ला दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सोमवार को उच्च सदन में विचार और पारित कराने के लिए पेश किए गए दो विधेयकों का विरोध करते हुए द्रमुक सदस्य एम. मोहम्मद अब्दुल्ला ने तर्कवादी और द्रविड़ आंदोलन के संस्थापक पेरियार का हवाला देते हुए अपनी बात का समर्थन किया था और सरकार से जम्मू-कश्मीर में कई मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाने को कहा था।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने द्रमुक सदस्य की टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटा दिया और सांसदों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ आने वाली जिम्मेदारी की याद दिलाई।

इस मामले पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि द्रमुक सदस्य ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली है और कांग्रेस ने भी इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण दिया है, लेकिन सोमवार की घटना ने 'इंडिया' गठबंधन के सदस्यों के बीच व्याप्त वैचारिक विरोधाभास और भ्रम को प्रकाश में ला दिया है।

उन्होंने कहा, ''अलगाववाद कुछ लोगों के दिमाग में चला गया है। यह एक गंभीर मुद्दा है। इसलिए उन्हें कल सदन में माफी मांगनी पड़ी। कांग्रेस को भी स्पष्टीकरण देना पड़ा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के सदस्यों के बीच कितना वैचारिक विरोधाभास और भ्रम है, यह कल सामने आ गया।''

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूढ़ी ने कहा कि जो लोग देश को तोड़ना चाहते हैं, उनकी आवाज फिर से उठने लगी है। उन्होंने कहा, ''दो सांसदों ने राज्यसभा में यह कोशिश की। राज्यसभा में उनकी जोरदार निंदा की गई और उनकी (अब्दुल्ला की) टिप्पणी को कार्यवाही से हटा दिया गया।''

रूढ़ी ने कहा, ''लेकिन इससे ज्यादा खतरनाक ऐसी मानसिकता है।'' उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 370 अस्थायी था। इसे निरस्त कर दिया गया। उच्चतम न्यायालय का फैसला भी आ चुका है। अब इस पर (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर) विवाद पैदा करना और इसे पूरे देश से जोड़ना विपक्ष की ओर से एक खतरनाक संकेत है।''

बहरहाल, द्रमुक शासित तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने कहा कि राज्यसभा में अब्दुल्ला की टिप्पणी से भ्रम पैदा हुआ क्योंकि उन्होंने पेरियार के उद्धरण का गलत अनुवाद किया, जो तमिल में है। उन्होंने कहा, ''यह जानबूझकर नहीं किया गया।''

अन्नाद्रमुक के राज्यसभा सदस्य एम. थंबी दुरई से जब इस बारे में टिप्पणी मांगी गई तो उन्होंने कहा, ''गलत अनुवाद के कारण गलत धारणा पैदा हुई।'' उन्होंने आगे कहा, ''पेरियार एक योद्धा थे... वह विशेष रूप से जातिवाद के खिलाफ थे और वह सभी लोगों को समान देखना चाहते थे... वह एक महान सुधारक थे। वह हमारे संस्थापक नेता हैं। अन्नाद्रमुक हमेशा पेरियार की नीति का पालन कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि भाजपा सरकार ने भी पेरियार (सामाजिक न्याय के विचार) को स्वीकार किया है जब वे जम्मू-कश्मीर में आरक्षण प्रदान करने के लिए एक विधेयक लाए हैं। यह पेरियार की जीत है। यही वह चीज है जिसके लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी।''

मैं जाति जनगणना के खिलाफ नहीं हूं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मैंने कभी भी जाति जनगणना पर अपना विरोध व्यक्त नहीं किया है। हमारी राय है कि जाति जनगणना सर्वेक्षण वैज्ञानिक और व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। शिवकुमार ने मंगलवार को बेलगाम में सुवर्णसौधा के पास मीडिया के सवालों के जवाब दिए।

सोमवार को नई दिल्ली में राज्यसभा में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से कर्नाटक में जाति जनगणना लागू करने के बारे में पूछा गया था। मीडिया में भाजपा के नेताओं द्वारा इस बात का विरोध किया गया तो उसका जवाब कुछ इस तरह से उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दिया।

शिवकुमार ने कहा कि हमारे कई विधायकों ने आपत्ति जताई है कि जाति जनगणना सर्वेक्षण ठीक से नहीं किया गया था। शिकायतें मिली हैं कि घर-घर सर्वे नहीं कराया गया।

सभी समुदायों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में उनका अधिकार मिलना चाहिए। अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जनजातियों सहित सभी लोग अपनी आबादी के अनुसार अधिकार और अनुदान का दावा करते हैं। हमने स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या यह जाति जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। हम सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण में विश्वास करते हैं। मैं समाज के सभी वर्गों को सामाजिक न्याय प्रदान करने की कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर कायम हूं। मैं केंद्र सरकार के वर्गीकरण के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय का भी नेता हूं। पार्टी अध्यक्ष के रूप में, मुझे सभी वर्गों के लोगों के साथ समान व्यवहार करना होगा।

जब उनसे पूछा गया कि जाति जनगणना के रिकॉर्ड गायब होने की खबरें आ रही हैं तो उन्होंने कहा, ''मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मैंने इस बारे में जयप्रकाश हेगड़े से बात की तो जानकारी मिली कि इस रिपोर्ट पर सचिवों के हस्ताक्षर नहीं हैं। सवाल उठता है कि सचिवों के हस्ताक्षर के बिना यह कैसे वैध होगा।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या कुमारस्वामी का यह बयान कि लोकसभा चुनाव के बाद प्रभावशाली मंत्री 50-60 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होंगे, आप पर केंद्रित था, उन्होंने कहा, ''मैं जन्म से कांग्रेसी हूं। मैं दूसरी पार्टी में जाने के लिए पागल नहीं हूं, मेरे अपने बुनियादी आदर्श हैं। मुझे गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी पर बहुत भरोसा है। वे जो कुछ भी कहते हैं उसके लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं हूं। उन्हें कुछ कहने दीजिए और पलट जाने दीजिए, मैं इसकी चिंता नहीं करूंगा।'

जद-एस के बागियों ने केरल के वरिष्ठ नेता सी.के. नानू को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना

बेंगलूरु। जनता दल-एस (जद-एस) के पूर्व कर्नाटक अध्यक्ष सी.एम. इब्राहिम ने सोमवार को घोषणा की कि निष्कासित नेता सी.के. नानू को पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की जगह पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। देवेगौड़ा ने हाल ही में इब्राहिम और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नानू को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण जद-एस से निष्कासित करने की घोषणा की थी, क्योंकि बागियों ने उन्हें कर्नाटक में भाजपा के साथ गठबंधन का विरोध किया था।

जद-एस के बागी नेताओं ने बेंगलूरु में इब्राहिम के नेतृत्व में बैठक की और नए अध्यक्ष की घोषणा की। पत्रकारों से बात करते हुए इब्राहिम ने घोषणा की कि नानू को जद-एस का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने कहा, यह मेरा फैसला नहीं है; यह राष्ट्रीय कार्यकारी समिति द्वारा लिया गया फैसला है।

लोकसभा ने जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी की विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण संबंधी दो विधेयक पारित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले दो विधेयकों को मंजूरी प्रदान की।

सदन में चर्चा और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के जवाब के बाद जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 और संघ राज्य क्षेत्र शासन (सशोधन) विधेयक, 2023 को ध्वनिमत से स्वीकृति दी गई। चर्चा का जवाब देते हुए राय ने कहा कि ये दोनों विधेयक महिलाओं के उत्थान के प्रति नरेन्द्र मोदी सरकार के संकल्प और प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले महिलाओं को अवसर नहीं दिया गया, महिलाओं के अधिकारों को छीना गया, उन पर अत्याचार किया गया। उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के एक बयान को लेकर कहा, ''गृह मंत्री (अमित शाह) जी ने कई बार कहा है कि पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर)हमारा है...पीओके के संबंध में हमारी क्या प्रतिबद्धता है, इसे खुली आंखों से देखिएगा तो आपको समझ में आ जाएगा...हमारे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का इरादा नेक और पक्का है।'' चौधरी ने सदन में गृह मंत्री शाह से सवाल किया था कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत के साथ कब मिलाया जाएगा? राय के जवाब के बाद सदन ने दोनों विधेयकों को मंजूरी दी।

कलबुर्गी मेगा टेक्सटाइल्स पार्क के लिए 1000 एकड़ भूमि : पाटिल

बेलगावी/सुवर्णसौधा। गन्ना विकास और चीनी और कृषि विपणन मंत्री शिवानंद एस. पाटिल ने विधान परिषद में कहा कि राज्य सरकार पीएम मित्र पार्क के तहत गठित होने वाले विशेष प्रयोजन के लिए कलबुर्गी में कैबिनेट की मंजूरी के साथ 1000 एकड़ जमीन मामूली कीमत (99 साल की अवधि के लिए 1 रु. प्रति एकड़) पर सौंपेगी। सदस्य एस. तिप्पेस्वामी के मौके की पहचान के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में पीएम-मित्र पार्क परियोजना के तहत 1000 एकड़ क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर के टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट पार्क के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

एमी खिताबी हैट्रिक पूरी करने की दौड़ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। गत चैंपियन एमी कमानी ने मंगलवार को यहां 90वीं सीनियर राष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स (स्नूकर और बिलियर्ड्स) प्रतियोगिता के 15-रेड महिला स्नूकर के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर खुद को इस आयोजन के तीसरे खिताब की दौड़ में बनाए रखा।

महिलाओं की '6-रेड स्नूकर' का ताज दोबारा हासिल करने के दो दिन बाद एमी ने 15-रेड प्री-क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु की स्नेंझा बाबू को 2-0 (65-12, 55-44) से हराया।

वह इस तरह से एक ही वर्ष में तीन खिताब (6-रेड स्नूकर, 15-रेड स्नूकर और बिलियर्ड्स) की सफलता को दोहराने के रास्ते पर है। एमी इससे पहले 2017 में ऐसा करने में सफल रही है।

इस बीच, अनुभवी आर उमादेवी ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली कर्नाटक की तिकड़ी का नेतृत्व किया जिसमें विद्या पिल्लई और पिछले साल की उपविजेता कीर्तन पांडियन भी शामिल है। तमिलनाडु की अनुपमा रामचंद्रन और आरटी मोहिता भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही।

पुरुष स्नूकर राउंड-रोबिन लीग में अब्दुल खादर (तमिलनाडु) ने शोएब खान (आरएसपीबी) और अनुज उप्पल (दिल्ली) ने शाहबाज आदिल खान (पीएसपीबी) को हराया।

80 प्रतिशत पुलिसकर्मियों के लिए आवासीय भवन : गृहमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी/सुवर्णसौधा। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2025 तक राज्य के 80 प्रतिशत पुलिस कर्मियों के लिए आवासीय घर उपलब्ध कराना है। उन्होंने मंगलवार को विधानसभा के सत्र में विधायकों के सवालों का जवाब देते हुए ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि पहले जब मैं गृह मंत्री था तो मैंने 2020 तक प्रदेश में 10 से 15 हजार पुलिस आवास गृह बनाने की योजना बनाई थी। बाद की सरकार ने इस परियोजना को जारी रखा। ग्रामीण इलाकों में और जहां जरूरत होगी वहां आवासीय मकान बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए आवासीय मकान पहले ही बनाए जा चुके हैं।

होन्नाली तालुक में 12 नए आवासीय घरों का निर्माण प्रस्तावित है। पुलिस स्टेशन को 2.26 एकड़ जमीन देने वाले दिवंगत एच. बसवराजप्पा की पत्नी और बच्चों ने 45 लाख रुपये के अतिरिक्त मुआवजे की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्हें पहले ही 53.92 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है। विधायक शांतना गौड़ा डीजी के प्रश्न के उत्तर में गृहमंत्री ने कहा कि अदालत का आदेश आते ही आवासीय मकानों का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा।

बजट में नए फायर स्टेशन का प्रस्ताव

राज्य के कई तालुक केंद्रों में नए फायर स्टेशन बनाने के लिए विधायकों की ओर से अनुरोध किया गया है। डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि इन अनुरोधों पर विचार करते हुए वे अगले बजट में नया फायर स्टेशन बनाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को सौंपेंगे। वर्तमान में नियमानुसार शहरी क्षेत्रों में प्रति 10 वर्ग किमी पर एक फायर स्टेशन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 50 वर्ग किमी पर एक फायर स्टेशन कार्यरत है। फायर कॉल के आधार पर ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। मुदाली तालुक में हर साल आग लगने की औसतन 8 से 10 कॉलें आ रही हैं। परमेश्वर विधायक बालचंद्र लक्ष्मणराव ने जराकीहोली के सवाल का जवाब देते हुए गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर कहा कि आग की घटनाओं का प्रबंधन गोकक फायर स्टेशन द्वारा किया जा रहा है। पिछले साल मुदालगी में 2 दुकानों में आग लग गई थी, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था. चूंकि गोकक दूर है, इसलिए मुदालगी में ही फायर स्टेशन बनाना जरूरी है। गृह विभाग द्वारा पहले ही 1.20 एकड़ जमीन भी चिन्हित कर दी जा चुकी है। विधायक बालचंद्र लक्ष्मणराव जराकीहोली ने मांग की कि सरकार को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए।

हुक्का बार को विनियमित करने के लिए बनेगा कानून : परमेश्वर

बेलगावी/सुवर्णसौधा। सरकार किसी भी कारण से दवाओं और नशीले पदार्थों की बिक्री बर्दाश्त नहीं करेगी। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि वे स्वास्थ्य और खाद्य विभाग से चर्चा कर जल्द ही हुक्का बार को विनियमित करने के लिए कानून बनाएंगे। उन्होंने मंगलवार को विधानसभा में विधायक सीके राममूर्ति के तीखे सवाल का जवाब दिया।

बृहद बेंगलूरु महानगर पालिके द्वारा हुक्का बार की स्थापना के लिए किसी भी प्रकार का व्यवसाय लाइसेंस जारी नहीं किया जाता है। हुक्का बार भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं द्वारा इस तरह के बार चलाए जाते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि हुक्का पीने वालों को अलग जगह आवंटित की जानी चाहिए। इसके चलते इस पर नियंत्रण का कोई जिक्र नहीं। उन्होंने कहा, हालांकि युवाओं के कल्याण के नजरिए से हुक्का बार पर नियंत्रण के लिए कानून बनाया जाएगा।

गृहमंत्री ने बताया कि गत 19 अक्टूबर को बेंगलूरु के कोरमंगला के एक हुक्काबार में लगी आग दुर्घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। सौभाग्य से, बिल्डिंग से कूदने वाला व्यक्ति खतरे के बाहर था। इस हुक्का बार में तीसरी मंजिल पर14 सिलेंडर जमाकर रखे हुए थे। बेंगलूरु के राजाजीनगर के विधायक सुरेश कुमार ने कहा कि हुक्का पीना सिगरेट पीने से 200 गुना ज्यादा हानिकारक साबित होता है। पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु समेत कई राज्यों में हुक्का बार पर प्रतिबंध है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने भी हुक्का बार पर प्रतिबंध को लेकर अपनी प्राथमिकता जाहिर की

उन्होंने कहा कि सरकार को इस संबंध में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। विधायक सीके राममूर्ति ने बात की और सरकार से युवाओं को भटकाने वाले हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

भाजपा विधायक यतनाल ने फिर पार्टी को किया शर्मिंदा

बेलगावी। कर्नाटक के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने मंगलवार को विधानसभा सत्र में बयान देकर फिर पार्टी को शर्मिंदा किया कि पिछली भाजपा सरकार ने उनके निर्वाचन क्षेत्र का 105 करोड़ रुपये का अनुदान रोक दिया था। यतनाल ने विधानसभा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने विजयपुरा निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए फंड मंजूर किया था। दुर्भाग्य से जब भाजपा सत्ता में आई तो इसे रोक और रद्द कर दिया गया।

यतनाल ने कहा, 'लोग मुझे सलाह देते हैं कि ज्यादा बात मत करो। इस वजह से मेरे सीएम बनने की संभावनाएं खराब हो गई हैं। मैं किसी से नहीं डरता और सीधे संदेश देता हूं।' यतनाल ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा की ओर इशारा करते हुए कहा, 'पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और पूर्व मंत्री बैरती बसवराज ने धन जारी करके मदद की थी। जिन लोगों ने सत्ता में रहते हुए मदद नहीं की, वे अब सेवानिवृत्त हो गए हैं।' कांग्रेस विधायक राजू कागे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि वह उनके साथ हैं। यतनाल ने कहा कि वह अपना बचाव करने के लिए काफी हैं। मैं एक हाथी हूं। मैं अपनी लड़ाई खुद लड़ूंगा। कांग्रेस विधायक अब्बैया प्रसाद ने उन पर तंज कसा कि क्या भाजपा में कोई उनका समर्थन नहीं कर रहा है। यतनाल ने कहा, आप मान लेते हैं कि कोई नहीं है। आप छह महीने में एक बार खड़े होते हैं और बात करते हैं। यतनाल सीधे तौर पर येडीयुरप्पा और उनके बेटे बीजेपी विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने मांग की थी कि एलओपी या प्रदेश अध्यक्ष का पद उन्हें या उत्तरी कर्नाटक के किसी नेता को दिया जाना चाहिए। यतनाल ने यह भी आरोप लगाया था कि विजयेंद्र ने बसवराज बोम्मई और पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं को हराने के लिए चुनावों में फंड दिया था।

पैरालंपिक और पैरा एशियाड में देश के लिए पदक जीतना चाहता हूं: तमिलनाडु के 'ब्लेड रनर' राजेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तमिलनाडु के 'ब्लेड रनर' राजेश ने जीवन की सारी चुनौतियों से पार पाते हुए पहले 'खेलो इंडिया पैरा खेलों' की टी64 वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता और लंबी कूद में पांचवें स्थान पर रहे। उनके इस प्रदर्शन को हजारों किलोमीटर दूर तमिलनाडु के तम्बारम में उनके कॉलेज में बड़ी स्क्रीन पर लाइव दिखाया गया क्योंकि कॉलेज प्रशासन चाहता था कि प्रत्येक छात्र राजेश से प्रेरणा ले। राजेश का जन्म बिलकुल सामान्य बच्चे की तरह हुआ था लेकिन एक इंजेक्शन की सुई उनके पैर के अंदर टूटने से उनके पैरों में संक्रमण हो गया और जहर फैलने से बचने के लिए उनके पैरों को काटना पड़ा।

वह 10 महीने के थे, तब से 'प्रोस्थेटिक्स' (कृत्रिम अंक) पहन रहे हैं और जब वह सातवीं कक्षा में थे तो उनके माता-पिता अलग हो गये। उन्हें और उनके जुड़वां भाईयों को उनके दादा ने ही पाला जो ऑटोरिक्शा चलाते हैं। राजेश रियो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मारियप्पन थांगवेलु को देखकर प्रेरित हुए और वह भी पैरालंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। राजेश ने विज्ञप्ति में कहा, ''मैं पांच या छह साल से 'ब्लेड रनिंग' कर रहा हूं। मैंने 2018 से अपनी यात्रा शुरू की लेकिन 2016 में रियो पैरालंपिक में मारियप्पन थांगवेलु को टीवी पर टी42 वर्ग की ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतते देखकर मुझे प्रेरिणा मिली। तब से मैंने फैसला किया कि मैं भी पैरालंपियन बनूंगा।'' राजेश ने मित्र की सलाह पर 'ब्लेड रनिंग' शुरू की। उन्होंने कहा, ''मैंने 2018 में अभ्यास करना शुरू किया और दो बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मार्च 2023 में पुणे में हुए 21वीं पैरा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने मुझे नये कृत्रिम अंग दिये जिसकी कीमत 7.50 लाख रूपये थी। '' अब उनका लक्ष्य पैरालंपिक और पैरा एशियाई खेलों में हिस्सा लेना है। उन्होंने कहा, ''मैं पैरालंपिक और पैरा एशियाई खेलों में देश के लिए पदक जीतना चाहता हूं। इस समय पैरा राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा हूं। जो नौ से 15 जनवरी तक गोवा में होंगे। ''

लड़की से बदसलूकी करने पर युवक पर जानलेवा हमला

दावणगेरे। कर्नाटक के दावणगेरे जिले से मंगलवार को एक लड़की के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने पर एक युवक पर बेरहमी से हमला किए जाने की घटना सामने आई। लड़के के माता-पिता और हिंदू कार्यकर्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. दावणगेरे शहर के जालीनगर निवासी श्रीनिवास पर रविवार शाम एक समूह ने हमला कर दिया। हमलावरों ने हमले के बाद उसे बाद में एक सुनसान जगह पर फेंक दिया। होश में आने के बाद युवक ने जैसे-तैसे अपने माता-पिता को फोन किया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। परिजनों और हिंदू कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने दोषियों के संबंध में कार्रवाई शुरू नहीं की है।

विकास और सुधार की नई गाथा लिख रहा है, नया जम्मू कश्मीर : वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोमवार को अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को रद्द करने पर उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण पर विश्वास की मुहर है। भाजपा नेता ने कहा, नया जम्मू-कश्मीर विकास और सुधार की नई गाथा लिख रहा है। राजे ने कहा कि यह भाजपा सरकार द्वारा जम्मू- कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किए प्रयासों की जीत है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, हम सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हैं।

भजनलाल शर्मा होंगे राजस्थान के नए मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री भी होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की सांगानेर सीट से पहली बार विधायक चुने गए भजनलाल शर्मा राजस्थान के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके साथ ही विधायक विधायक प्रेमचंद बैरवा व दीया कुमारी को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री नामित किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की यहां हुई बैठक में शर्मा को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे विधायक दल ने स्वीकार कर लिया। भजनलाल भाजपा के प्रदेश महासचिव हैं। उनके पास राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री है। शर्मा (56) ने जयपुर की सांगानेर सीट 48,081 वोटों के अंतर से जीती है। वह भरतपुर जिले का रहने वाले हैं। विधायक दल की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो खींची गई जिसमें वह आखिरी पंक्ति में खड़े थे। बैठक में शामिल होने आए केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने मीडिया को बताया कि विधायक दीया कुमारी व प्रेम चंद बैरवा उपमुख्यमंत्री होंगे। वहीं वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे। भाजपा ने 199 सीटों पर हुए चुनाव में से 115 सीटों पर जीत दर्ज की है। विधायक प्रेमचंद बैरवा व दीया कुमारी को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री नामित किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने यहां यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे। इससे पहले, विधायक दल की बैठक में पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया।

दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुकी हैं दीया कुमारी

जयपुर। जयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य दीया कुमारी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुकी हैं। उन्हें मंगलवार को राजस्थान की नयी उपमुख्यमंत्री बनाया गया। उनके साथ ही प्रेमचंद बैरवा भी राजस्थान के उपमुख्यमंत्री होंगे जबकि भजनलाल शर्मा राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। दीया कुमारी राजसमंद से भाजपा की सांसद थीं और उन्हें जयपुर के झोटवाड़ा से विधानसभा में टिकट दिया गया था। वह 2013 में सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुनी गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में वह राजसमंद निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुनी गईं। दीया (51) जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सवाई भवानी सिंह की बेटी हैं।

भाजपा का दलित चेहरा हैं नए उपमुख्यमंत्री बैरवा

जयपुर। राजस्थान के नए उपमुख्यमंत्री घोषित किए गए प्रेम चंद बैरवा (54) दूदू विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हैं। उन्हें पार्टी की राजस्थान इकाई के दलित चेहरे के रूप में देखा जाता है। इस विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार बाबूलाल नागर को 35,743 वोटों के अंतर से हराया है। बैरवा को पार्टी की राजस्थान इकाई का दलित चेहरा माना जाता है। बैरवा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से पीएचडी डिग्री धारक हैं। उल्लेखनीय है कि बैरवा को मंगलवार को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री बनाया गया। उनके साथ ही दीया कुमारी भी राजस्थान की उपमुख्यमंत्री होंगी जबकि भजनलाल शर्मा राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे।

राज्यपाल ने भजन लाल को मुख्यमंत्री पद की शपथ के लिए आमंत्रित किया, 15 को होगा शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर । राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार सांय यहां राजभवन में राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल ने मुलाकात की। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने राज्यपाल मिश्र को राजस्थान में मुखयमंत्री के रूप में भजन लाल शर्मा के नाम का पत्र प्रस्तुत किया। उन्हें विधायक दल का नेता चुने जाने संबंधी पत्र भी सौंपा।राज्यपाल मिश्र को रक्षा मंत्री और पर्यवेक्षक भारतीय जनता पार्टी राजनाथ सिंह ने इस दौरान अपने एक सौ पंद्रह विधायकों की सूची भी प्रस्तुत की। वहीं राजस्थान में 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह होगा ।

राजस्थान का सर्वांगीण विकास करेंगे : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भावी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में शर्मा ने कहा कि राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा,मैं इतना विश्वास दिलाना चाहता हूं कि राजस्थान की यह जो टीम है... राजस्थान के जो हमारे सभी विधायक हैं... निश्चित रूप हमसे, भारतीय जनता पार्टी से जो राजस्थान की अपेक्षा है, हम यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम राजस्थान का पूरी तरह से सर्वांगीण विकास निश्चित रूप से पूरा करेंगे। यह मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा विधायक दल की यहां हुई बैठक में शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे विधायक दल ने स्वीकार कर लिया। भजनलाल भाजपा के प्रदेश महासचिव हैं। उनके पास राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस से जुड़े शर्मा जयपुर की सांगानेर सीट से पहली बार विधायक चुने गए हैं। शर्मा (56) ने जयपुर की सांगानेर सीट 48,081 वोटों के अंतर से जीती है। वह भरतपुर जिले का रहने वाले हैं। विधायक दल की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो खींची गई जिसमें वह आखिरी पंक्ति में खड़े थे। बैठक में शामिल होने आए केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने मीडिया को बताया कि विधायक दीया कुमारी व प्रेम चंद बैरवा उपमुख्यमंत्री होंगे। वहीं वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे। भाजपा ने 199 सीटों पर हुए चुनाव में से 115 सीटों पर जीत दर्ज की है।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल के नेता भजन लाल शर्मा ने कहा है कि वह नई जिम्मेदारी पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में सर्वांगीण विकास करेंगे। भाजपा की विधायक दल की बैठक में दल का नेता चुना जाने के बाद मीडिया से कहा कि उन्हें जो यह नई जिम्मेदारी मिली हैं उस एवं अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जायेगा। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में सर्वांगीण विकास किसी भी क्षेत्र में हो पूरा करेंगे।

उन्होंने मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री एवं भाजपा के पर्यवेक्षक बनकर आये राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े एवं सरोज पांडेय, उनका विधायक दल के नेता के रूप में नाम का प्रस्ताव करने पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी , पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा अध्यक्ष के लिए चुने गए वासुदेव देवनानी, एवं उपमुख्यमंत्री के लिए चुने गए श्रीमती दिया कुमारी एवं प्रेम चंद बैरवा तथा सभी विधायकों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। सी पी जोशी ने भजन लाल शर्मा, श्रीमती दिया कुमारी एवं बैरवा एवं देवनानी को पार्टी की प्रदेश इकाई की तरफ से बधाई देते हुए कहा कि शर्मा ने लम्बे समय से संगठन में काम करते आ रहे हैं और उन्होंने पिछले काफी समय से प्रदेश महामंत्री के रूप में काम किया हैं। उन्होंने कहा कि आज यह जीत मोदी की गांरटी की जीत हुई हैं।

गहलोत ने भजनलाल शर्मा को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल शर्मा को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई दी है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भजनलाल शर्मा को भाजपा विधायक दल का नेता बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।''

उन्होंने लिखा,''आशा करता हूं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में आप कार्य करते हुए प्रदेश के विकास की गति को आगे भी बनाए

रखेंगे एवं राजस्थान को देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में भूमिका निभाएंगे।'' उल्लेखनीय है कि भाजपा विधायक दल की मंगलवार को यहां हुई बैठक में शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा जिसे विधायक दल ने स्वीकार कर लिया।

गोगामेड़ी हत्या मामले में आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी एक महिला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजपूत नेता सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी एक महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं, हत्याकांड मामले में रविवार को गिरफ्तार किए गए आरोपियों को एक स्थानीय अदालत के सामने पेश किया गया, जहां मजिस्ट्रेट ने उन्हें सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि गोगामेड़ी की पांच दिसंबर को हत्या से पूर्व करीब एक सप्ताह तक शूटर नितिन फौजी को अपने घर में रखने वाली पूजा सैनी को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि पूजा सैनी अपने पति के साथ जयपुर के जगतपुरा में किराये के फ्लैट में पूजा बत्रा के नाम से रह रही थी और उसका पति महेन्द्र कुमार मेघवाल ऊर्फ समीर घर से फरार है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पूजा सैनी और उसका पति महेंद्र शूटर नितिन फौजी के लिए हथियार तस्करों के रूप में काम करते थे। जोसेफ ने बताया कि महेंद्र कुमार मेघवाल कोटा का हिस्ट्रीशीटर है और फरार है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रथम) कैलाश चंद्र बिश्नोई ने बताया कि नितिन फौजी 28 नवंबर को टैक्सी से जयपुर आया और महेंद्र मेघवाल से मिला जो उसे जगतपुरा स्थित अपने फ्लैट में ले गया जहां वह एक सप्ताह तक रहा। उन्होंने बताया कि नितिन फौजी महेन्द्र मेघवाल के जरिए गैंगस्टर रोहित गोदारा के संपर्क में था। बिश्नोई ने बताया कि घटना वाले दिन महेन्द्र ने आधा दर्जन से अधिक पिस्तौल व भारी मात्रा में कारतूस दिखाये, जिनमें से नितिन ने कुछ हथियार ले लिये। उन्होंने बताया कि मेघवाल की पत्नी पूजा नितिन को खाना बनाकर परोसती थी।बिश्नोई ने बताया कि गोगामेड़ी की हत्या वाले दिन पांच दिसंबर की सुबह महेन्द्र ने नितिन को अजमेर रोड पर छोड़ दिया, जहां रोहित राठौड़ उनका इंतजार कर रहा था। हथियारों से लैस नितिन फौजी और रोहित राठौड़ को एक कार में श्याम नगर स्थित गोगामेड़ी के आवास पर ले जाया गया। दोनों शूटर गोगामेड़ी के परिचित नवीन के माध्यम से उनके घर तक पहुंचे। गोगामेड़ी की हत्या के बाद शूटर ने भागने से पहले नवीन शेखावत की भी हत्या कर दी थी। बिश्नोई ने बताया कि फ्लैट से एक एके-47 राइफल की तस्वीर भी बरामद हुई है।

उन्होंने बताया कि इस बात के तथ्य सामने आ रहे हैं कि लॉरेंस गिरोह द्वारा जयपुर में घटित की गई कई गंभीर वारदातों या घटित होने से पहले रोकी गई वारदातों में हथियार की आपूर्ति महेन्द्र कुमार व उसकी पत्नी पूजा द्वारा की गई हैं। उन्होंने बताया कि महेन्द्र कुमार हथियारों का जखीरा लेकर फरार हो गया है जिसकी सरगर्मी से तलाश जारी है।

5 लाख की लूट के मामले का खुलासा, जोधपुर से तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर । भीनमाल थाना क्षेत्र से करीब 1 महीने पहले एक व्यक्ति का अपहरण कर मारपीट के बाद 5 लाख रुपयों की लूट के मामले का थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम द्वारा जोधपुर शहर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बापर्दा रखा है।

एसपी मोनिका सेन ने बताया कि 1 महीने पहले भीनमाल थाना इलाके से पूर्व योजना बना रैकी के बाद अज्ञात मुलजिम एक व्यक्ति का घर लौटते समय अपहरण कर ले गए। मुलजिमों द्वारा पीड़ित से मारपीट की गई और 5 लाख रुपये लूट कर ले गए। रिपोर्ट पर थाना भीनमाल में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के खुलासे के लिए एसपी सेन द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर लाल व सीओ हिम्मत सिंह चारण के सुपरविजन एवं एसएचओ रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी सहायता से मुलजिमों की पहचान की गई। जोधपुर शहर से संदिग्ध ईश्वर लाल, गंगाराम व कमलेश कुमार को दस्तयाब कर पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इस पर आरोपी ईश्वर लाल चौधरी पुत्र छोगाराम (23) निवासी थोबाउ थाना झाब जिला सांचौर, गंगाराम चौधरी पुत्र रामजी राम (21) निवासी वाली थाना बागोड़ा जिला सांचौर एवं कमलेश कुमार चौधरी पुत्र वाला राम (24) निवासी आलडी थाना भीनमाल जिला जालौर को गिरफ्तार कर अग्रिम अनुसंधान व पूछताछ की जा रही है।

आईआईटी-जेईई की तैयारी करने वाले छात्र की पीट-पीटकर हत्या, हिरासत में लिए गए संदिग्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा के इंदिरा विहार इलाके में आईआईटी-जेईई के लिए तैयारी करने वाले 17 वर्षीय छात्र की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार देर शाम को छात्र जब यहां एक चाय की दुकान पर बैठा था तभी कुछ युवकों ने उस पर लोहे के सरिया और जंजीरों से हमला किया था। आरोपी कथित तौर पर कोचिंग के छात्र थे। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सत्यवीर उर्फ राजवीर उर्फ रौनक के रूप में हुई है, जो करीब दो साल से यहां एक कोचिंग संस्थान में आईआईटी-जेईई की तैयारी कर रहा था।

उन्होंने बताया कि 11वीं कक्षा के छात्र सत्यवीर को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शवगृह में रखा गया है, जो उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से उसके परिजनों के आने के बाद किया जाएगा। इलाके के एक दुकानदार ने कहा कि उसने लोहे की छड़ और जंजीर लिए कुछ युवकों को 17 वर्षीय लड़के का पीछा करते देखा, जिन्होंने आखिरकार उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे कोचिंग छात्रों के बीच मारपीट हुई थी।

उन्होंने बताया कि हमले में घायल छात्र अपने कमरे में चला गया जहां देर रात उसकी हालत बिगड़ गई जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। इलाके के क्षेत्राधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) भवानी सिंह ने कहा कि घातक हमले में लगभग सात से आठ कोचिंग छात्रों के शामिल होने का संदेह है।

बातचीत

लक्ष्मणगढ़ के बाजार में कार्यकर्ताओं से बातचीत करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा।

10 लाख की 50 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर/दक्षिण भारत । डीएसटी व कोतवाली थाना पुलिस की टीम ने शहर में अवैध मादक पदार्थ सप्लाई करने घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 लाख रुपए कीमत की 50 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है।

एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि डीएसटी को सूचना मिली थी कि महावीर नगर के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह व सीओ आनंद सिंह के सुपरविजन में थाना कोतवाली एसएचओ गंगाराम खावा मय टीम व डीएसटी तुरंत महावीर नगर पहुंचे। सिटी सेंटर के पास पुलिस को देखते ही एक युवक घबरा गया और भागने लगा। जिसे टीम ने पकड़ कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम गुमान मेगवाल पुत्र रावताराम निवासी जोगियों की धड़ी थाना सदर बताया। आरोपी की तलाशी में 50 ग्राम स्मैक मिलने पर एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया।

डाटा सेंटर का केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि आज उत्तरप्रदेश डाटा सेंटर का केंद्र (हब) बन रहा है।

उन्होंने कहा कि फरवरी 2023 में आयोजित 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के माध्यम से प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें कई प्रस्ताव 'सेमीकंडक्टर' बनाने की इकाई और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। पिछले साढ़े नौ वर्षों में भारत ने अपनी युवा ऊर्जा के लिए संभावनाओं के द्वारा खोले हैं। इसी का नतीजा है कि हर क्षेत्र में देश की तस्वीर बदली है।

योगी आदित्यनाथ मंगलवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया के अंदर एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन (5000 अरब) अमेरिकी डॉलर की बनाने का संकल्प देशवासियों के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भी उस लक्ष्य के साथ एक ट्रिलियन (1000 अरब) अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। आज तकनीक के माध्यम से भ्रष्टाचार पर प्रहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म का मतलब केवल उपासना विधि से नहीं है। भारतीय मनीषा ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने को धर्म माना है। तैत्तिरीय उपनिषद में इस बात का उल्लेख है,'सत्यं वद धर्मं चर' यानी सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो।

कृत्रिम मेधा में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इससे जुड़ी चिंताओं का दूर करना जरूरी : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस) और अन्य समकालीन प्रौद्योगिक विकास में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इनके उपयोग से जुड़ी चिंताओं को दूर करना भी जरूरी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत के पास पांच-डी: डिमांड (मांग), डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी), डेमोक्रेसी (लोकतंत्र), डिजाइयर (इच्छा) और ड्रीम (सपने) हैं। ये सभी हमारी विकास यात्रा में बहुत लाभकारी सिद्ध होंगी। उन्होंने यहां भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हमारी अर्थव्यवस्था, जो एक दशक पहले 11वें स्थान पर थी, आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और यह वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के राह पर है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''भारत एक प्रगतिशील और लोकतांत्रिक राष्ट्र है। हमारा यह सपना है कि भारत वर्ष 2047 तक एक विकसित देश बने। यह आईआईआईटी, लखनऊ के सभी छात्रों की जिम्मेदारी है कि वे न केवल इस परिकल्पना में भागीदार ही न बनें, बल्कि इसे पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान भी दें।''

राष्ट्रपति ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। हम चौथी औद्योगिक क्रांति की शुरुआत देख रहे हैं। मानव जीवन को आसान बनाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित हो रहा है। अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी पहलुओं को छू रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट सिटी, बुनियादी ढांचे, स्मार्ट गतिशीलता और परिवहन जैसे सभी क्षेत्रों में, कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग बड़े पैमाने पर हमारी दक्षता तथा कार्य क्षमता में सुधार के कई अवसर प्रस्तुत कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन जैसी नई प्रौद्योगिकियों के वैश्विक केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि कृत्रिम मेधा और अन्य समकालीन प्रौद्योगिकी विकास असीमित और अभूतपूर्व विकासात्मक और परिवर्तनकारी संभावनाएं प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन, यह जरूरी है कि पहले कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल जुड़ी चिंताओं को दूर किया जाए। चाहे वो स्वचालन के कारण उत्पन्न हुई रोजगार की समस्या हो, या आर्थिक असमानता की बढ़ती हुई खाई हो या कृत्रिम मेधा से उत्पन्न मानवीय पूर्वाग्रह हो, हमें इन सभी समस्याओं का रचनात्मक तरीके से समाधान करना होगा।''

उन्होंने कहा कि हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हम ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'' के साथ-साथ ''इमोशनल इंटेलिजेंस'' को भी महत्व दें।

ओडिशा के कुछ हिस्सों में तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कई आदिवासी बहुल जिलों में मंगलवार को पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया जिससे राज्य में ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा। भुवनेश्वर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में कंधमाल जिले के जी. उदयगिरि में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया।

केंद्र के मुताबिक उदयगिरि में तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस, सुंदरगढ़ जिले के क्योंझर और किरी में तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस, कंधमाल जिले के दरिंगबाड़ी में 9.5 डिग्री सेल्सियस तथा फुलबनी में 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम कार्यालय ने कहा कि मध्य ओडिशा के अंगुल में न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस, सुंदरगढ़ में 11, कोरापुट में 11.2 और बालासोर और राउरकेला में 11.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भुवनेश्वर और कटक में न्यूनतम तापमान क्रमश: 14.6 तथा 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक भुवनेश्वर में तापमान सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम था।

खालिस्तान समर्थक तत्वों के खिलाफ संसद दे सख्त संदेश: प्रियंका चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के एक सदस्य ने विदेशी धरती पर खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों में वृद्धि पर मंगलवार को राज्यसभा में चिंता जताई और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों को विदेशी धरती पर तेजी से प्रोत्साहित किया जा रहा है और वे देश के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद के माध्यम से एक कड़ा संदेश दिए जाना चाहिए कि भारत ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ''हमें उनकी धमकियों पर ध्यान देने और उसके अनुसार समुचित कदम उठाने की जरूरत है। इन्हीं (आतंकवाद के) कारणों से कनाडा के साथ हमारे संबंध खराब हो गए थे और हमारे राजनयिकों को धमकी दी जा रही थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें अपनी संसद के माध्यम से उन्हें एक कड़ा संदेश देने की जरूरत है कि इस तरह की गतिविधियां हमें स्वीकार्य नहीं हैं और हम इस देश के हर एक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठाएंगे...।'' चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे आतंकवादियों को भारत वापस लाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें इस पर कार्रवाई करनी चाहिए और इस पर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।''

उनकी चिंता पर प्रतिक्रिया देते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, ''यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और मैं सदन के नेताओं के साथ चर्चा करूंगा ताकि इस सदन से एक आवाज पूरी दुनिया में जा सके।'' इससे पहले सभापति ने नियम 267 के तहत कांग्रेस सदस्य प्रमोद तिवारी द्वारा दिए गए स्थगन नोटिस को खारिज कर दिया। शून्यकाल के दौरान जनता दल (यूनाइटेड) के रामनाथ ठाकुर ने देश भर में 500 रुपये प्रति सिलेंडर पर रसोई गैस सिलेंडर प्रदान करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ चुनाव में 500 रुपये में सिलेंडर देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 903 रुपये है और अन्य शहरों में इसकी कीमत अलग-अलग है। उन्होंने कहा, ''मेरी मांग है कि सरकार को पूरे देश में 500 रुपये प्रति सिलेंडर की दर से सिलेंडर उपलब्ध कराना चाहिए।''

तृणमूल कांग्रेस के समीरुल इस्लाम ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने देश भर में प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा का मुद्दा भी उठाया। भाजपा के कैलाश सोनी ने मांग की कि माध्यमिक विद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय छात्रों की शारीरिक तंदुरुस्ती और स्वास्थ्य में भी मदद मिलेगी।

तृणमूल कांग्रेस के प्रकाश चिक बड़ाईक ने कहा कि भविष्य निधि को आधार से नहीं जोड़े जाने के कारण पश्चिम बंगाल में चाय बागान श्रमिकों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इस वजह से श्रमिकों को उनकी पेंशन नहीं मिल रही है। मैं केंद्र सरकार से इस समस्या का समाधान निकालने का आग्रह करता हूं।'' बीजू जनता दल (बीजद) के अमर पटनायक ने ओडिशा में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय परिसर स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि राज्य की तटरेखा पर्याप्त लंबी है। बीजू जनता दल के ही निरंजन बिशी ने केन्द्र से हथकरघा क्षेत्र को जीएसटी से छूट देने का आग्रह किया।

उत्तर प्रदेश: शाहजहांपुर में शिक्षिका ने गेंद लगने पर छात्रों को पीटा, निलंबित

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका ने गेंद लगने के बाद नौ छात्रों की कथित तौर पर पिटाई कर दी, जिसके बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना सोमवार को जिले के शहर थाना क्षेत्र के सरकारी जूनियर हाईस्कूल की है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि जब छात्र गेंद से खेल रहे थे, तभी गेंद शिक्षिका पूर्णिमा रस्तोगी को लग गई, जिसके बाद शिक्षिका ने छात्रों को डंडे से पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके चलते कई छात्र बेहोश हो गये। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिभावकों की शिकायत पर शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित कक्षा सातवीं और आठवीं के छात्र हैं। छात्रों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां से उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। मीणा ने बताया कि घटना से आक्रोशित अभिभावकों ने शिक्षिका पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। मौलिक शिक्षा अधिकारी रणवीर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए रस्तोगी को निलंबित कर दिया है । सिंह ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी एसके मौर्य और सपना रावत की दो सदस्यीय जांच समिति बनाई गई, जो मामले पर रिपोर्ट देगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उप्र : भाजपा विधायक रामदुलार गोंड दुष्कर्म मामले में दोषी करार

सोनभद्र (उप्र)/भाषा। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के नौ साल पुराने एक मामले में जनपद के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक रामदुलार गोंड़ को मंगलवार को यहां की एक अदालत ने दोषी करार दिया और सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तिथि निर्धारित की। अदालत ने विधायक को दोषी करार देने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गोंड सोनभद्र जिले में दुद्धी (आरक्षित सीट) से विधायक है।

विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि ए डी जे प्रथम (एमपी/ एमएलए) अदालत के न्यायाधीश एहसान उल्लाह खान ने गोंड़ को एक किशोरी से दुष्कर्म के 2014 के एक मामले में दोषी करार दिया है। उन्होंने बताया कि घटना के समय विधायक की पत्नी ग्राम प्रधान थीं। यह घटना चार नवंबर 2014 की है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा), और 5 एल /6 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत विधायक पर मुक़दमा दर्ज हुआ था। रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी बनाया गया था।

उत्तर प्रदेश: धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के आरोप में दंपति गिरफ्तार

संत कबीर नगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले के औराही गांव में एक महिला पर कथित तौर रूप से धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने पर दपंति को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संत कबीर नगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि गांव की निवासी निर्मला निषाद ने 11 दिसंबर को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा कि हर रविवार को उनके गांव में ईएसआई समुदाय की प्रार्थना सभा आयोजित की जाती है। शिकायत के हवाले से एसपी ने बताया कि निर्मला का बच्चा पिछले तीन साल से लापता है, इसलिए वह प्रार्थना सभी में शामिल होने चली गई, जिसमें कहा गया कि अगर वह हिन्दू धर्म छोड़ने का फैसला करती हैं, तो उनका बच्चा वापस आ जाएगा।

भारत 2047 तक 'क्रूज' केंद्र होगा : सर्बानंद सोनोवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार भारत को क्रूज हब (केन्द्र) के रूप में स्थापित करने और वर्ष 2047 तक वार्षिक क्रूज यात्रियों की संख्या को 50 लाख तक बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार भारत को एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख क्रूज केंद्र के रूप में स्थापित करने की कल्पना करती है। सोनोवाल ने यहां 'डेलॉयट-गवर्नमेंट समिट आरोहा: ग्रोथ विद इम्पैक्ट' कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए कहा, ''हमारा उद्देश्य वर्ष 2047 तक अमृत काल में भारत में क्रूज यात्रियों की वार्षिक संख्या को 50 लाख तक बढ़ाना है, जो वर्तमान में 4.72 लाख है।'' यह मौजूदा आंकड़ों से 10 गुना अधिक की बढ़ोतरी होगी। मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिनमें अत्याधुनिक क्रूज टर्मिनलों का विकास, मानकीकृत प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन और ई-वीजा सुविधाओं की शुरूआत समेत अन्य उपाय शामिल हैं। वर्ष 2047 तक भारत में 25 परिचालन वाले क्रूज टर्मिनल होंगे।

स्मृति मंधाना ने महिला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की पैरवी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने महिला टेस्ट क्रिकेट में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के सुझाव का स्वागत किया लेकिन इंग्लैंड की अनुभवी खिलाड़ी टैमी ब्यूमोंट ने कहा कि जब तीन ही देश नियमित टेस्ट खेल रहे हैं तो ऐसी प्रतिस्पर्धा अनुचित है। पुरुष क्रिकेट में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2019 . 21 में शुरू हुई । फिलहाल इसका तीसरा सत्र चल रहा है । महिला क्रिकेट में ऐसी कोई स्पर्धा नहीं है ।

महिला क्रिकेट में सिर्फ भारत, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ही नियमित टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं हालांकि उसमें भी लंबा अंतराल रहता है । मंधाना ने भारतीय टीम के अभ्यास सत्र से पूर्व मीडिया से बातचीत में कहा ,'' मैं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा बनना चाहूंगी लेकिन यह बोर्ड और आईसीसी को तय करना है ।'' उन्होंने कहा ,''मैने पुरुष टेस्ट क्रिकेट काफी देखा है लेकिन इस तरह की स्पर्धा का हिस्सा बनना रोमांचक होगा । लेकिन यह फैसला प्रशासकों को लेना है ।'' भारत और इंग्लैंड यहां बृहस्पतिवार से एक टेस्ट खेलेंगे । भारतीय टीम दो साल बाद टेस्ट की मेजबानी कर रही है । इंग्लैंड टीम छह महीने बाद टेस्ट खेल रही है ।

एशियाई चैम्पियनशिप में नहीं खेल पायेंगे मीराबाई चानू

नई दिल्ली/भाषा। चोटिल मीराबाई चानू की वापसी में और विलंब होगा क्योंकि ओलंपिक रजत पदक विजेता यह भारोत्तालक अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप में नहीं खेल पायेंगी। पूर्व विश्व चैम्पियन चानू अब भी अक्टूबर में एशियाई खेलों के दौरान लगी 'हिप टेंडिनाईटिस' चोट से उबर रही हैं। 49 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेने वाली चानू ने आईडब्ल्यूएफ ग्रां प्री दो में भी कोई वजन नहीं उठाया। उम्मीद थी कि वह उज्बेकिस्तान के ताशकंद में तीन से 10 फरवरी तक होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप तक फिट हो जायेंगी। लेकिन चानू ने मंगलवार को पीटीआई से कहा, ''मैं इस बार एशियाई चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लूंगी। बल्कि मैं विश्व कप में शिरकत करूंगी। '' पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक को 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप (थाईलैंड के फुकेट में 31 मार्च से 11 अप्रैल तक) में हिस्सा लेना अनिवार्य है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई है 'मोदी की गारंटी': भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने 'भ्रष्टाचार की बीमारी' फैला दी है जिसके खिलाफ न केवल सरकार को बल्कि लोगों को भी आंदोलन शुरू करना होगा।

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता किरण रीजीजू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद), तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेताओं के खिलाफ कथित घोटालों और भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों का जिक्र किया।

केंद्रीय मंत्री किरण रीजीजू ने कहा, ''कांग्रेस और उसके मित्रों ने भ्रष्टाचार की ऐसी बीमारी फैला दी है जिसके खिलाफ न केवल सरकार को बल्कि देश के लोगों को भी आंदोलन शुरू करना होगा।''

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के 'भ्रष्टाचार की दुकान' को बंद किया जाना चाहिए और इसके लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई मोदी की गारंटी है। जांच एजेंसियों को (भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए) खुली छूट दी गई है। वे रुकने वाले नहीं हैं।''

'मोदी की गारंटी' की आखिर 'वारंटी' क्या है : कांग्रेस ने सरकार से पूछा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सरकार से आमलोगों को गुमराह न करने की सलाह देते हुए मंगलवार को कहा कि सत्तापक्ष ने अब 'मोदी की गारंटी' के नये जुमले गढ़े हैं, लेकिन सरकार को यह बताना चाहिए कि 'गारंटी की वारंटी' क्या है। लोकसभा में विपक्षी दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने वर्ष 2023-24 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच तथा वर्ष 2020-21 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों पर चर्चा के दौरान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम लोगों को गुमराह करना सरकार का काम नहीं होता, सरकार इससे बाज आए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से रोजाना जीडीपी की बात सुनाई जाती है, लेकिन उसे (सरकार को) क्या पता है कि लोगों के आर्थिक हालात क्या हैं? उन्होंने कहा कि सरकार को इस तरह से जनता को बरगलाना नहीं चाहिए। चौधरी ने कहा कि रोज सुबह से शाम तक अब नया जुमला 'मोदी की गारंटी' सुनने को मिल रहा है, इससे पहले तक 'मोदी है तो मुमकिन है' का नारा था। उन्होंने कहा, 'अब नारे बदल गये, पर बात यह है कि गारंटी किसकी है और गारंटी की वारंटी भी होती है, तो यह वारंटी क्या है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 के चुनाव से पहले दो करोड़ नौकरी देने, हर आदमी के खाते में 15 लाख रुपये डालने तथा कालाधन वापस लाने के वादे किये थे, उनका क्या हुआ। उन्होंने अर्थशास्त्री रघुराम राजन की एक रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए कहा कि सरकार को जनता को गुमराह नहीं करना चाहिए।

नीदरलैंड को हराकर भारत जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में, मुकाबला जर्मनी से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए भारतीय टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में नीदरलैंड जैसी मजबूत टीम को 4 . 3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।

भारतीय टीम बृहस्पतिवार को सेमीफाइनल में जर्मनी से खेलेगी । विश्व रैंकिंग में तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज भारत और नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा । हाफटाइम तक उच टीम 2 . 0 से आगे थी लेकिन उसके बाद भारत ने वापसी की और दूसरे हाफ में चार गोल दागे । नीदरलैंड के लिये टिमो बोएर्स (पांचवां मिनट), पेपिन वान डेर हेडेन (16वां मिनट) और ओलिवियर होर्टेनसियस (44वां मिनट) ने गोल किये जबकि भारत के लिये आदित्य लालागे (34वां मिनट) , अराइजीत सिंह हुंडल (36वां मिनट) ,आनंद कुशवाह (52वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (57वां मिनट) ने गोल दागे । नीदरलैंड टीम ने पहले ही क्वार्टर से आक्रामक शुरूआत करते हुए पेनल्टी कॉर्नर बनाया जिसे बोएर्स ने गोल में बदला । दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में वान डेर हेडेन ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके टीम को 2 . 0 की बढत दिला दी जो हाफटाइम तक बनी रही । तीसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की जिसके सूत्रधार रहे अराइजीत सिंह । उन्होंने 34वें मिनट में लालागे के गोल में सहायक की भूमिका निभाई और दो मिनट बाद पेनल्टी स्ट्रोक को तब्दील करके स्कोर 2 . 2 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में ही उच टीम ने फिर बढत बनाई जब ओलिवियर ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किया ।

आखिरी दस मिनटों में भारतीय टीम ने जबर्दस्त हॉकी का प्रदर्शन करते हुए दो गोल कर डाले । कुशवाह ने 52वें मिनट में रिबाउंड पर गोल करके स्कोर बराबर किया । भारत को 57वें मिनट में महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर गोल करने में कप्तान उत्तम सिंह ने चूक नहीं की ।

सुविचार

मुस्कुराहट कहाँ से आती है, मुझे नहीं पता, पर जहाँ भी होती है, वहाँ ये दुनिया और भी खूबसूरत होने लगती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनुशासन और जनसेवा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए जिन नामों पर मुहर लगाई, उसने राजनीति शास्त्र के धुरंधरों को भी हैरत में डाल दिया। समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर जिन चेहरों की सबसे ज्यादा चर्चा थी, जिनके बारे में राजनीति के 'विशेषज्ञ' पूर्ण आत्मविश्वास से यह घोषणा कर रहे थे कि इस बार तो इनका शपथग्रहण समारोह होने जा रहा है, उनके सारे समीकरण फेल हो गए। भाजपा ने जिन्हें राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया, उन्हें भी अंदाजा नहीं रहा होगा कि वे मुख्यमंत्री / उपमुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं! चाहे विष्णुदेव साय हों या मोहन यादव या भजनलाल शर्मा, इन्होंने संगठन में वर्षों काम किया है, अपने राज्य की राजनीति को समझते हैं, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि जनता ने तो छप्पर फाड़ बहुमत दिया, लेकिन भाजपा ने 'पैराशूट सीएम' उतार दिए। इस पार्टी ने तीनों राज्यों में उपमुख्यमंत्री बनाकर सोशल इंजीनियरिंग का भी ध्यान रखा है। साथ ही जिन नेताओं को विधानसभा अध्यक्ष का जिम्मा सौंपा, उनका अनुभव सदन की कार्यवाही के संचालन और गरिमा को बनाए रखने में सहायक होगा। इन घोषणाओं से भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि पार्टी की अगली मजबूत पीढ़ी तैयार की जाए, उसे बड़ी जिम्मेदारी दी जाए। वरिष्ठ नेता उसके साथ नेतृत्व की भूमिका में जरूर रहेंगे, सरकार चलाने में उसे अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलेगा। बेशक चुनाव लड़ना और जीतना किसी इम्तिहान से कम नहीं होता। इन तीनों राज्यों में जिन नेताओं को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनका बड़ा इम्तिहान तो अब शुरू होने वाला है। उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ लेने के बाद कार्यभार संभालना है। मंत्रियों को उनका कामकाज सौंपना है। अधिकारियों के साथ बैठकें करनी हैं। इस प्रक्रिया में जितना समय लगेगा, विकास कार्यों में उतना ही विलंब होगा।

नई सरकार के 'ठीक ढंग से' मैदान में आने के लिए एक-डेढ़ हफ्ता भी और मानकर चलें तो तब तक नया साल और नजदीक आ जाएगा। फिर लोकसभा चुनावों का माहौल बनना शुरू हो जाएगा। इन 'नए' मुख्यमंत्रियों को आगामी आम चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले अपनी कार्यकुशलता सिद्ध करनी होगी, संगठन को और मजबूत करना होगा, आम जनता के कल्याण के लिए जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करना होगा। प्राय: चुनावी मौसम में राजनीतिक दलों में असंतोष के स्वर भी सुनाई देते हैं। संगठन में फूट डालने के साथ ही सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशें की जाती हैं। धड़ेबंदी जोर पकड़ती है। कई नेता शक्ति-प्रदर्शन करने के लिए नए-नए पैंतरे आजमाते हैं। जब उनके हाथ से मैदान निकलता दिखाई पड़ता है तो वे पूरा खेल बिगाड़ने को आमादा हो जाते हैं। भाजपा को जनता ने झोली भरकर सीटें दी हैं। अब प्रदेश सरकार और संगठन के नेतृत्व को चौकन्ना रहकर इस विश्वास की रक्षा करनी होगी। छग, मप्र और राजस्थान में जिन नेताओं को मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री बनाया जा रहा है, वे इस बात से भलीभांति परिचित हैं कि हालिया विधानसभा चुनावों में मिली जीत के पीछे प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा और संगठन की शक्ति है। जनता ने इन दोनों को देखकर उन्हें विजयश्री का आशीर्वाद दिया है। उन्हें चाहिए कि अब अपने काम से जनता का दिल जीतें। पिछली सरकारों से जो ग़लतियां हुईं, उनसे सबक लें और उन्हें दोहराने से बचें। सरकारी मशीनरी में स्फूर्ति लाएं। व्यवस्था में सुधार करें। सरकारी दफ्तरों में आम जनता के काम आसानी से हों। लोगों को न तो अनावश्यक चक्कर लगाने पड़ें और न किसी को रिश्वत देनी पड़े। प्राय: पद के साथ कुछ लोगों में अहंकार भी आ जाता है। इसके बाद उन्हें यह भ्रम हो जाता है कि वे हर चीज़ के विशेषज्ञ बन गए हैं। इस घातक प्रवृत्ति से दूर रहें। यह अतीत में कई नेताओं का राजनीतिक करियर ले डूबी, जो अपने बड़बोलेपन की वजह से रोज़ाना चर्चा में रहते थे। आज सोशल मीडिया के दौर में चीज़ें वायरल होते देर नहीं लगेगी। इसलिए अनुशासित रहें और जनसेवा के प्रति समर्पित रहें।

ट्वीटर टॉक

श्री भजन लाल शर्मा को राजस्थान भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में राजस्थान अब डबल इंजन सरकार के साथ विकास के नए आयाम को छुएगा।

-सीपी जोशी

भजनलाल शर्मा को भाजपा विधायक दल का नेता बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आशा करता हूं कि मुख्यमंत्री के रूप में आप कार्य करते हुए प्रदेश के विकास की गति को आगे भी बनाए रखेंगे एवं राजस्थान को देश का नंबर 1 राज्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में भूमिका निभाएंगे।

-अशोक गहलोत

मुझे राजस्थान की नई सरकार में उप मुख्यमंत्री का पद सौंपने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद। मैं इस पद की गरिमा को बनाए रखते हुए अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

क्षत्रिय और मित्र

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्य बाला-मरदाना के साथ घूमते हुए एक नगर में पहुंचे। उस नगर से कुछ दूर पर एक बाग़ था, मरदाना जी ने आग्रह किया की गुरुदेव यही आसन लगा ले, नानक देव जी तैयार हो गए। उस बाग़ का माली एक क्षत्रिय था, गुरु जी आये है जानकार वह नानक जी के दर्शन के लिए पंहुचा। और नानक देव जी को प्रणाम करके बैठ गया, कुछ देर तक वह क्षत्रिय बैठा रहा फिर चला गया। इसी तरह वह रोज गुरु नानक देव जी के दर्शन के लिए आता और कुछ देर तक बैठा रहता फिर चला जाता। इस तरह रोजाना की दिनचर्या को देखकर उस क्षत्रिय के पडोसी ने पूछा कि आप प्रतिदिन कहाँ जाते है। क्षत्रिय ने जवाब दिया कि एक महात्मा जी आये हुए है, मै रोजाना उन्ही के दर्शन के लिए जाता हूँ। इस बात को सुनकर पडोसी ने भी साथ चलने की इक्षा जताई, और दोनों साथ में गुरु नानक देव जी के दर्शन के लिए निकल पड़े। जब वे गुरूजी के दर्शन के लिए निकले तो रास्ते में एक वेश्या का घर पड़ा, जो क्षत्रिय था वह तो गुरुजी नानक देव के पास चला गया, परन्तु उसका पडोसी उस वेश्या के घर चला गया।

सामयिक

भारत की एकता को बल देने वाला युगांतरकारी फैसला

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

संविधान के अनुच्छेद 370 पर सोमवार को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला निर्विवाद रूप से युगांतरकारी, ऐतिहासिक, राष्ट्रीय एकता को मजबूती देने वाला मील का पत्थर एवं अमिट आलेख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल एक नया अध्याय लिखा बल्कि भारत की एकता और अखंडता को नई मजबूती भी दी। जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख का पूरा क्षेत्र विकास, सुशासन एवं लोकतांत्रिक दृष्टि से सिरमौर साबित होगा, इसमें सारे संदेहों पर से पर्दा उठ गया है। समूचा राष्ट्र जम्मू-कश्मीर के भारत का अभिन्न हिस्सा बनकर विकास के एक नये युग' में प्रवेश करने की इस नयी सुबह पर हर्षित है। कहा जा सकता है कि जम्मू-कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त किए जाने से जुड़े विवाद पर इस फैसले ने एक तरह से पूर्ण विराम लगा दिया है। देश की सबसे बड़ी अदालत के पांच न्यायमूर्तियों की पीठ ने यह फैसला देकर साफ कर दिया है कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था। इस विशेष प्रावधान को समाप्त करने के पीछे किसी तरह की दुर्भावना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की मंशा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक पुराने और जटिल विवाद को पीछे छोड़ते हुए जम्मू-कश्मीर को और वहां के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ने की एक मजबूत, उर्वरा एवं समतामूलक जमीन तैयार की है। उम्मीद की जाए कि सभी पक्ष इस मौके का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल सुनिश्चित करने में अपना पूरा योगदान करेंगे।

आजादी के समय तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व के पास राष्ट्रीय एकता के लिए एक नई शुरुआत करने का विकल्प था। लेकिन इसके बजाय संकीर्ण, अराष्ट्रवादी, स्वार्थी राजनीति जारी रखने के निर्णय के साथ भारत को विघटित, अशांत एवं अलोकतांत्रिक करने की कुचेष्टा की गयी। इससे राष्ट्रीय हितों की अनदेखी हुई। किन्हीं राजनीतिक आग्रहों, पूर्वाग्रहों एवं दुराग्रहों के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों को आतंकवाद और अलगाववाद की तकलीफें लंबे समय तक झेलनी पड़ी हैं। भारत का एकीकरण एक प्रधान, एक निशान, एक विधान' के बिना अधूरा था बावजूद एक ही राष्ट्र में दो प्रधान, दो निशान एवं दो विधान की संकीर्ण एवं अराष्ट्रवादी सोच को पनपाने के षड़यंत्र आजादी के पचहत्तर वर्षों में होते रहे। लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, उसने एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद- 370 और 35 ए को निरस्त करने की ठानी और इस लक्ष्य को आखिरकार प्राप्त कर लिया गया। नेहरू युग के दौरान कांग्रेस द्वारा की गई कई ऐतिहासिक भूलों' में से एक को सुधारने के लिए पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किया। जिसके बाद मोदीजी के नेतृत्व में कश्मीर में शांति और समृद्धि लौटी और लोगों ने आतंकवाद को खारिज कर दिया है। जम्मू कश्मीर की ऐतिहासिक एवं राजनीतिक भूल को सुधारने के लिये डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेहरू मंत्रिमंडल में रहते हुए विरोध किया, इसके लिये मंत्रिमंडल छोड़ कर कठिन राह चुनी। इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी, पर उनके बलिदान से करोड़ों भारतीय कश्मीर मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़े। इसी तरह अटल विहारी वाजपेयी ने इंसानियत', जम्हूरियत' और कश्मीरियत' का जो प्रभावी संदेश दिया, वह सदैव प्रेरणा का स्रोत रहा। जिन्होंने भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण' का सपना देखा था और जिसके लिए उन्होंने राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ी और यहां तक कि अपने जीवन का बलिदान भी दिया। इन राष्ट्रवादियों के प्रयत्नों का ही परिणाम है कि आज जम्मू-कश्मीर में एक उजली सुबह हुई है।

जम्मू-कश्मीर की तथाकथित राजनैतिक शक्तियां ने सुप्रीम कोर्ट के इस अनूठे फैसले का विरोध किया है। यह एक विडंबना ही है कि अनुच्छेद 370 की अन्यायपूर्ण एवं विघटनकारी प्रकृति के बाद भी संकीर्ण राजनीतिक कारणों से यह दुष्प्रचार किया जा रहा था कि वह तो जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है, ऐसी दुराग्रही राजनैतिक शक्तियां अलग-थलग रहकर अपने राजनैतिक स्वार्थ की रोटियां सेकना चाहते हैं, उनकी नजर में वहां की अवाम के सुख-सुविधाओं एवं जीवन का कोई मूल्य नहीं है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उनकी मंशा पर पानी फिर गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में अगले वर्ष सितंबर तक चुनाव कराने के साथ ही केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को जितनी जल्दी संभव हो, बहाल करने का भी निर्देश दिया। ऐसा किया ही जाना चाहिए, लेकिन तभी जब वहां से जबरन निकाले गए कश्मीरी हिंदुओं की वापसी का रास्ता साफ हो सके। बीते चार दशकों में कश्मीर में अत्याचार और दमन के साथ लाखों कश्मीरी हिंदुओं का जो पलायन हुआ और वे अपने ही देश में जिस तरह शरणार्थी बनने को विवश हुए, वह एक ऐसी त्रासदी एवं विडम्बना है जिसे भूला नहीं जाना चाहिए। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने लोगों के घावों को भरने के लिए दक्षिण अफ्रीका की तर्ज पर सत्य एवं सुलह आयोग गठित करने का निर्देश दिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पाकिस्तान समेत देश विरोधी अन्य शक्तियों का बौखलाना स्वाभाविक है, इसलिए भारत सरकार को सतर्क एवं सावधान रहना होगा। इन उन्मादी ताकतों की कोशिश होगी कि कश्मीर में अंधेरा फैलाये।

जम्मू-कश्मीर अन्य क्षेत्रों की तरह देश का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए यह सुनिश्चित करना सरकार और सभी संवैधानिक संस्थानों का दायित्व है कि आम देशवासियों की तरह वहां के नागरिकों के भी सभी संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार कायम रहें। तय है कि इस फैसले से धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटेंगे। यहां के बर्फ से ढके पहाड़ और खूबसूरत झीलें पर्यटकों को अधिक आकर्षित करेंगी। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की वजह से इसे भारत का स्विटजरलैंड कहा जाता है। इसी कारण यहां हर साल लाखों की संख्या में भारतीय और विदेशी पर्यटक आते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह चारों तरफ से खूबसूरत वादियों से घिरे हुए जम्मू-कश्मीर की सुंदरता को एक बार तो जरूर देखें। अब तक पर्यटक यहां आने से घबराता था, लेकिन अब वह बैहिचक यहां आ सकेगा। प्रदूषण रहित यह स्थल एक बार फिर आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराएगा। इन शांत एवं खूबसूरत वादियों में पडोसी देश पाकिस्तान एवं तथाकथित उन्मादी तत्व आतंक की घटनाओं को अंजाम देकर अशांति फैलाने वाले लोगों को अब किसी भी तरह के संरक्षण की संभावना नहीं है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा। आए दिन की हिंसक घटनाएं पर विराम लगा है, अब विकास की गंगा प्रवहमान होगी। यह रोग पुराना एवं लाइलाज हो गया था लेकिन मोदी के ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज हुआ है।

मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के और अधिक विकास के लिए अपने अथक प्रयास' जारी रखते हुए वहां के लोगों के दिलों में भारत की एकता के लिये विश्वास जगायेगी। वास्तव में देखा जाये तो अब असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध-आतंक के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाते हुए अपने लोगों का अपने ढंग से, आत्मीयता से हृदय परिवर्तन करेगा।

कश्मीर यात्रा में मैंने देखा कि केन्द्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले ही कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार करने में जुटी है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 8 सालों में कश्मीर को आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। अब सर्वोच्च फैसले के बाद जम्मू-कश्मीर के नागरिकों की चिंताओं को समझना, सरकार के कार्यों के माध्यम से आपसी विश्वास का निर्माण करना, स्वस्थ राजनीतिक नेतृत्व को बल देना, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बहाल करना तथा निरंतर विकास को सुनिश्चित करना प्राथमिकता एवं प्रतिबद्धता बननी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत किया है। इस फैसले के बाद अब इस विवाद को आगे बढ़ाने की न कोई गुंजाइश रह गई है और न ही जरूरत। अब घाटी के लोगों के सपने बीत समय के मोहताज नहीं, बल्कि भविष्य की उजली संभावनाएं हैं। कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय के बाद अब तो एक नये कश्मीर को विकसित करने के लिये कमर कसे, संकल्पबद्ध हो।

चिंतन

दक्षिण भारत में क्यों नहीं खिल पा रहा है कमल?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

आज देश में भाजपा का परचम लहरा रहा है। उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र तक भाजपा की सरकार है। पूर्वोत्तर में भी कमल खिल चुका है। उत्तर भारत के जिन राज्यों में अभी वह सत्ता में नहीं है, वहां प्रमुख विपक्षी दल है। पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही है। लेकिन अभी भी भाजपा का विजय रथ दक्षिण में जाकर बार-बार रुक जा रहा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा इस बार दक्षिण विजय के लिए सारे समीकरण साध रही है। दक्षिण भारत के 6 राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में इस समय भाजपा की अपने बूते कोई सरकार नहीं है। पुडुचेरी में भी भाजपा गठबंधन के साथ सत्ता में है। गौरतलब है कि दक्षिण भारत के इन राज्यों में 130 लोकसभा सीटें हैं, जिसमें से अभी केवल 29 सीटें भाजपा के पास हैं। इसमें 25 अकेले कर्नाटक से ही हैं। जबकि 2019 में चार सीट तेलंगाना में जीती थी। इससे समझा जा सकता है कि बाकी के राज्यों में भाजपा की स्थिति कैसी है। दक्षिण को प्रमुखता से लेने की एक वजह और भी है। उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों में पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा को बंपर सीटें मिली हैं। ऐसे में भाजपा इस बात का ध्यान रख रही है कि अगर यहां पर सीटें कम हों तो इसकी भरपाई दक्षिण से की जा सके।

भाजपा के दक्षिण प्लान का टेस्ट कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी लगभग फेल हो गया। भाजपा के लिए दक्षिण के अपने इकलौते दुर्ग को बचाए रखने की चुनौती थी तो साथ ही यहां के नतीजों का असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ना था , जहां इस साल चुनाव होने हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा इस बार बड़ी उम्मीद लगाए हुए थी पर उसे विधानसभा की 8 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। उल्लेखनीय यह है कि उसका वोट प्रतिशत पहले से डबल हो गया। यह प्रदर्शन 2024 लोकसभा चुनावों के लिए तेलंगाना में उसकी संभावनाओं को और बल दे सकता है। दक्षिण में जमीन मजबूत करने में जुटी भाजपा के लिए मुश्किल है कि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भाजपा का आधार बहुत कमजोर है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व केरल में भाजपा के पास एक भी लोकसभा सीट नहीं है। वहीं, आंध्र प्रदेश और केरल में तो पार्टी का एक विधायक भी नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश में भाजपा को महज 1 फीसदी वोट मिले थे।

आंध्र प्रदेश की तरह ही भाजपा के सामने तमिलनाडु में भी चुनौती बड़ी है। भाजपा की छवि हिंदूवादी पार्टी की है और तमिलनाडु द्रविड़ आंदोलन की जमीन रही है। इसके साथ ही भाजपा के लिए हिंदी पार्टी का टैग ज्यादा मुश्किल पैदा करता है। भाजपा की आहट को देखते हुए हाल के दिनों में डीएमके ने हिंदी के मुद्दे को एक बार फिर से हवा देना शुरू कर दिया है।तमिलनाडु में हिंदी पार्टी और द्रविड़ आंदोलन के मुकाबले मंदिरों के आस-पास राजनीति को लाने की कोशिश कर रही है। मंदिरों पर किसका कब्जा हो इसे लेकर भाजपा सवाल उठा रही है। भाजपा के साथ समान विचारधारा वाले वीएचपी जैसे संगठन इसमें आगे हैं। भाजपा के साथ एक और प्लस फैक्टर है कि वह एआईएडीएमके के साथ अच्छे रिश्ते में है और गठबंधन में उतरकर पार्टी आधार बढ़ा सकती है। 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने क्षेत्रीय दल 'आइजेके' के साथ मिल कर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ा था। भाजपा को 2।86 फीसदी वोट मिले थे और उसे एक भी सीट पर कामयाबी नहीं मिली थी। तमिलनाडु में भाजपा की इतनी खराब हालत की वजह क्या है ? दरअसल तमिलनाडु की स्थानीय राजनीति की बुनावट कुछ ऐसी है कि इसमें किसी राष्ट्रीय दल के लिए कोई गुंजाइश नहीं बनती। यहां की राजनीति में भाषा (तमिल) और संस्कृति (द्रविड़) की जड़े इतनी गहरी हैं कि उसे धर्म के आधार पर बांटना मुश्किल है। तमिल को सबसे प्राचीन भाषा माना जाता है। यह आत्मगौरव तमिल लोगों को एकता के सूत्र में बांधे रखता है। यहां के लोग भाजपा को हिंदी पट्टी की पार्टी मानते हैं। जब कि हिंदी विरोध तमिलनाडु की राजनीति का मूल आधार है। इसलिए तमिलनाडु में हिंदुत्व और हिंदी, भाजपा के लिए रुकावट बन जाती है। तभी तो नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु में तमिल भाषा नहीं जानने के लिए अफसोस जाहिर करते हैं। यह नरेन्द्र मोदी की स्थानीय लोगों से भावनात्मक जुड़ाव की कोशिश की थी।

देखा जाय तो द्रविड़ सभ्यता भारत की बहुत पुरानी सभ्यता है। तमिलनाडु में द्रविड़ संस्ककृति को राजनीति से जोड़ने का श्रेय ईवी रामास्वामी पेरियार को जाता है। वे ब्राह्मणवाद के खिलाफ थे। धार्मिक कर्मकांडों का भी विरोध किया। 1944 में उन्होंने द्रविड़ कड़गम (द्रविड़ों का देश) नाम से एक सामाजिक संगठन बनाया। 1949 में पेरियार के करीबी अन्नादुरई उनसे अलग हो गये। अन्नादुरई ने द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के नाम से अगल संगठन बनाया। 1969 तक तमिलनाडु को मद्रास स्टेट कहा जाता था। 1967 में मद्रास राज्य विधानसभा के चुनाव हुए तो द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) ने 179 में से 137 सीटें जीत लीं। अन्नादुरई मद्रास के मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस को केवल 51 सीटें मिलीं। इसके पहले कांग्रेस सत्ता में थी। तमिलनाडु में राजगोपालाचारी और के कामराज जैसे कांग्रेस के पास दिग्गज नेता हुए। लेकिन 1967 में द्रविड़ भावना की ऐसी लहर आयी कि कांग्रेस उसमें विलीन हो गयी। तमिलनाडु में द्रमुक का डंका बजने लगा। 14 जनवरी 1969 को मद्रास राज्य का नाम तमिलनाडु कर दिया गया। तमिलनाडु के नामकरण के 20 दिन बाद ही अन्नादुरई का निधन का हो गया। उस समय करुणानिधि अन्नादुरई के कैबिनेट में मंत्री थे। फिर करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। द्रमुक- अन्नाद्रमुक की दो ध्रुवीय राजनीति द्रमुक- अन्नाद्रमुक की दो ध्रुवीय राजनीति करुणानिधि तमिल फिल्मों के मशहूर पटकथा लेखक थे। एमजी रामचंद्रन उस समय तमिल फिल्मों के सुपर स्टार थे। वे भी द्रमुक से जुड़े थे। द्रमुक ने उन्हें 1962 में एमएलसी बनाया था। 1967 में एमजीआर द्रमुक के विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1976 तक तमिलनाडु में या तो करुणानिधि सीएम रहे या फिर राष्ट्रपति शासन लागू रहा। 1972 में करुणानिधि जब अपने बड़े बेटे एम के मुथ्थू को राजनीति में बढ़ावा देने लगे तो द्रमुक की राजनीति बदलने लगी। तब एमजी रामचंद्रन ने आरोप लगाया था कि अन्नादुरई के बाद द्रमुक में भ्रष्टाचार ने जड़ जमा लिया है। इससे खफा हो कर करुणानिधि ने एमजी रामचंद्रन को पार्टी से निकाल दिया। तब एमजीआर ने अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (अन्ना द्रमुक) के नाम से नयी पार्टी बनायी। बाद में इसका नाम ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम कर दिया गया। 1977 में एमजी रामचंद्रन सत्ता में आये। इसके बाद से तमिलनाडु में कभी द्रमुक तो कभी अन्नाद्रमुक के पास सत्ता रही। पिछले 53 साल से तमिलनाडु में यही हो रहा है। दक्षिण में मजबूत मानी जाने वाली कांग्रेस भी आज द्रमुक की बैसाखी पर ही राजनीति करती है। 2016 के चुनाव में कांग्रेस ने डीएमके से गठबंधन कर 40 सीटों पर चुनाव लड़ था। लेकिन उसे केवल 8 सीटों पर ही जीत मिली थी। इससे समझा जा सकता है कि तमिलनाडु में बिना द्रविड़ पहचान वाली पार्टियों की कितनी खराब स्थिति है। ऐसे भाजपा सिर्फ कोशिश ही कर सकती है। उसने अन्नाद्रमुक के साथ मिल कर चुनाव लड़ने की बात कही है।वैसे हाल ही में तमिलनाडु में के। अन्नामलाई जैसे युवा नेता ने भाजपा को एक नयी पहचान दी है।

दक्षिण के एक और महत्वपूर्ण राज्य केरल में भाजपा पूरा जोर लगा रही है लेकिन उसे सफलता नहीं मिल रही है। भाजपा का यहां पर कोई विधायक नहीं है। ऐसा तब है जब उसके मातृसंगठन आरएसएस की यहां पर 4500 से ज्यादा शाखाएं लगने का दावा किया जाता है। केरल में भी हिंदूवादी पार्टी होने का तमगा भाजपा के लिए मुश्किल बन रहा है। राज्य में एक प्रभावी आबादी ईसाई समुदाय की है और भाजपा की नजर इसी पर है। हाल ही में कांग्रेस नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी के पार्टी में शामिल होने से भाजपा को उम्मीद है कि वह इस समुदाय को अपने पाले में खींचने में सफल होगी। केरल और तेलंगाना में भाजपा के वोट शेयर बढ़े हैं। कर्नाटक में उसकी सरकार नहीं है पर वह प्रभावशाली विपक्ष ही है। भाजपा ने 2016 में केरल की 98 सीटों पर चुनाव लड़ा था। वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे ओ राजगोपाल ने नेमोम सीट से जीत हासिल की थी।

राजगोपाल के आलावा भाजपा का कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं जीत पाया था। राजगोपाल केरल भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। 1999 में वे राज्यसभा के सदस्य थे। भाजपा ने केरल में अपने विस्तार के लिए ही राजगोपाल को वाजपेयी मंत्रिपरिषद में शामिल किया था। लेकिन इस काम में वह सफल नहीं हो सकी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को केरल में 12.93 फीसदी वोट मिले थे। उसके वोट प्रतिशत में करीब दो फीसदी क इजाफा तो हुआ लेकिन चुनावी सफलता अभी भी दूर की कौड़ी है। अब भाजपा मेट्रोमैन ई श्रीधरन के जरिये केरल में नयी पारी खेलना चाहती है। केरल में आरएसएस 1942 से सक्रिय है। लेकिन उसका फायदा कभी भाजपा के नहीं मिल सका। केरल में अगर 55 फीसदी आबादी हिन्दुओं की है तो 45 फीसदी आबादी ईसाई और मुस्लिम समुदाय की है। केरल भारत का सबसे ज्यादा पढ़ालिखा राज्य है। यहां के लोग धर्म की बजाय मुद्दों के आधार पर वोट करते रहे हैं। इसकी वजह से केरल में हिंदू कार्ड सफल नहीं हो पाया। यहां की राजनीति भी दोध्रुवीय है। सीपीआइ के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के बीच सत्ता के लिए संघर्ष चलते रहता है। कभी सत्ता इधर तो कभी उधर। ऐसे में भाजपा के लिए जगह बनाना मुश्किल रहा है। लेकिन 2021 में जिस तरह से भाजपा ने केरल में अपनी ताकत झोंकी है उससे राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।

कर्नाटक और तेलंगाना को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण के राज्यों में भाजपा के पास कोई बड़े कद का नेता नहीं है। भाजपा को कर्नाटक की तरह ही दूसरे राज्यों में भी सरकार बनाने के लिए येडीयुरप्पा की तरह ही करिश्माई नेता की सबसे ज्यादा जरूरत है। लेकिन अब स्थिति थोड़ी बदली हुई नजर आती है। कह सकते हैं कि भगवा पार्टी धीरे-धीरे देश के दक्षिणी हिस्से में अपना विस्तार करने में सफलता हासिल कर सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

वार्ता

नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए।

अपने लिए कुछ मांगने के बजाय मर जाना पसंद करूंगा : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल/भाषा

मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि वह अपनी पार्टी से अपने लिए कुछ मांगने के बजाय 'मर जाना' पसंद करेंगे। चार बार के मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन्हें जो भी काम देगी, वह उसे पूरा करेंगे। पिछले महीने के विधानसभा चुनावों में पार्टी की शानदार जीत के बाद मोहन यादव जल्द ही उनकी जगह लेंगे।

चौहान ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा,'' मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहता था कि मैं (दिल्ली) जाकर अपने लिए कुछ मांगने के बजाय मर जाना पसंद करूंगा।'' पिछले हफ्ते अगले मुख्यमंत्री को लेकर जारी अटकलों के बीच चौहान ने कहा था कि वह दिल्ली नहीं जाएंगे और दावा किया था कि वह कभी भी राज्य में शीर्ष पद की दौड़ में नहीं रहे हैं। चौहान (64) ने मंगलवार को कहा, '' जब कोई व्यक्ति आत्मकेंद्रित होता है तो वह अपने बारे में ही सोचता है। लेकिन भाजपा एक मिशन है, हर कार्यकर्ता के लिए कुछ काम है। मुझे जो भी काम सौंपा जाएगा, मैं करूंगा।''

सत्ता में अपने कार्यकाल पर संतोष व्यक्त करते हुए, चौहान ने आगे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मोहन यादव के नेतृत्व में नई भाजपा सरकार चल रहे कार्यों को तीव्र गति से पूरा करेगी। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा उनका समर्थन करूंगा।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद और पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के साथ-साथ राज्य सरकार और केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर 'लाडली बहना' योजना के कारण भाजपा ने मध्य प्रदेश में बहुमत की सरकार बनाई। 'लाडली बहना' योजना चौहान सरकार की एक प्रमुख योजना है जिसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,250 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने अन्य चीजों के अलावा सड़कों, बिजली आपूर्ति और कृषि विकास की बेहतर स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि राज्य ने भाजपा शासन के दौरान सर्वांगीण विकास किया है।

चौहान ने कहा, महिला सशक्तिकरण और किसानों का कल्याण उनके लिए कभी भी वोट पाने का जरिया नहीं रहा।

इस बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में महिलाओं का एक समूह मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री आवास पर जाकर चौहान की उपस्थिति में रोता हुआ दिख रहा है। मोहन यादव बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

मुलाकात

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने मंगलवार को भोपाल में मध्य प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की।

मेरे पिता कहते थे कि इंदिरा गांधी के साथ उनका कार्यकाल 'स्वर्णिम दौर' था : शर्मिष्ठा मुखर्जी

नई दिल्ली/भाषा

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने बताया कि उनके पिता कहा करते थे कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में उनका कार्यकाल उनके राजनीतिक जीवन का ''स्वर्णिम दौर'' था।

शर्मिष्ठा ने साथ ही कहा कि उनके पिता को लगता था कि ''किसी के आगे न झुकने'' के रवैये के कारण उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया।

अपनी किताब ''प्रणब माई फादर: ए डॉटर रिमेंबर्स'' के विमोचन पर शर्मिष्ठा ने कहा कि उनके पिता इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में अपने कार्यकाल को अपने राजनीतिक जीवन का ''स्वर्णिम काल'' बताया करते थे।

किताब का विमोचन उनकी (प्रणब) जयंती के अवसर पर किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय गोयल भी मौजूद रहे। इस किताब में पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी की डायरियों से भी संदर्भ लिया गया।

शर्मिष्ठा ने अपनी किताब में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में उनके (पूर्व राष्ट्रपति) आकलन पर भी बात की है, जिसके कुछ अंशों पर विवाद खड़ा हो गया है।

शर्मिष्ठा ने कहा कि उनके पिता भी उस प्रस्तावित अध्यादेश के विरोध में थे, जिसकी एक प्रति राहुल गांधी ने सितंबर 2013 में एक संवाददाता सम्मेलन में फाड़ दी थी, लेकिन उनका मानना था कि इस पर संसद में चर्चा की जानी चाहिए थी।

राहुल ने जिस अध्यादेश की प्रति फाड़ी थी, उसका उद्देश्य दोषी विधायकों को तत्काल अयोग्य ठहराने के उच्चतम न्यायालय के आदेश को दरकिनार करना था। इसके साथ अध्यादेश में यह भी प्रावधान किया गया था कि वे (विधायक) उच्च न्यायालय में अपील लंबित रहने तक सदस्य के रूप में बने रह सकते हैं।

शर्मिष्ठा ने कहा, ''मैंने ही उन्हें (अध्यादेश फाड़ने वाली) यह खबर सुनाई थी। वह बहुत गुस्से में थे।'' उन्होंने यह भी कहा कि देश के राष्ट्रपति के रूप में उनके पिता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक टीम के रूप में काम किया।

पूर्व नौकरशाह पवन के वर्मा के साथ किताब पर बातचीत के दौरान उन्होंने जिक्र किया कि उन्होंने अपने पिता के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम में भाग लेने को लेकर उनका विरोध किया था। उन्होंने कहा, ''मैंने बाबा से उनके फैसले पर तीन-चार दिन तक लड़ाई की। एक दिन उन्होंने कहा कि किसी चीज को वैध ठहराने वाला मैं नहीं, बल्कि यह देश है। बाबा को लगता था कि लोकतंत्र में संवाद जरूरी है। विपक्ष के साथ संवाद करना जरूरी है।''

चर्चा की शुरुआत में उन्होंने यह भी कहा कि किताब में राहुल गांधी का जिक्र बहुत कम है।

शर्मिष्ठा ने कहा कि उनके पिता अक्सर कहते थे कि कांग्रेस ने संसदीय लोकतंत्र की स्थापना की और ''इसे बनाए रखने का काम पार्टी का है।''

पुस्तक की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी वरिष्ठ नेता ने इस किताब पर बात नहीं की है, केवल पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि वह इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने इसे पढ़ा नहीं है।

शर्मिष्ठा ने कहा कि किताब के विमोचन कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं में केवल चिदंबरम ही पहुंचे, इससे उन्हें काफी दुख हुआ है।

नेहरू अनुच्छेद 370 के लिए जिम्मेदार नहीं : फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली/भाषा

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू अनुच्छेद 370 के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 निरस्त करने के केंद्र के फैसले को उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखने जाने पर निराशा जताते हुए यह कहा।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में, कश्मीर समस्या के लिए नेहरू को जिम्मेदार ठहराये जाने के बाद अब्दुल्ला की यह प्रतिक्रिया आई है।

अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं नहीं जानता कि नेहरू के खिलाफ उनके मन में जहर क्यों भरा हुआ है। नेहरू जिम्मेदार नहीं हैं। जब अनुच्छेद (370) आया था, तब वहां सरदार पटेल थे।''

पूर्ववर्ती राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके अब्दुल्ला ने कहा, ''नेहरू उस वक्त अमेरिका में थे जब कैबिनेट की बैठक हुई थी। जब फैसला लिया गया था उस वक्त श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी मौजूद थे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या यह अनुच्छेद निरस्त किये जाने से जम्मू कश्मीर में विकास की शुरूआत हुई है, उन्होंने कहा, ''जाकर खुद देख लीजिए।'' उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि चुनाव हो। हम उम्मीद कर रहे थे कि यदि उच्चतम न्यायालय (अनुच्छेद) 370 हटाएगा तो उन्हें तत्काल चुनाव कराने के लिए कहा जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत करने के लिए भारत नहीं आएंगे

नई दिल्ली/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अगले महीने गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए भारत यात्रा पर नहीं आएंगे। इस संबंध में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने यहां बताया कि भारत क्वाड सम्मेलन को अगले साल जनवरी के बजाय बाद में किसी तारीख पर आयोजित करने पर विचार कर रहा है। भारत की क्वाड सम्मेलन को पहले जनवरी में कराने की योजना थी। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सितंबर में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन को अगले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है। माना जाता है कि वाशिंगटन ने नई दिल्ली को बता दिया है कि राष्ट्रपति बाइडन गणतंत्र दिवस समारोह के लिए भारत की यात्रा नहीं कर पाएंगे।

माना जाता है कि इस निर्णय के कारणों में जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन, बाइडन का फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर ध्यान देना और हमास-इज़राइल संघर्ष पर वाशिंगटन की बढ़ती तवज्जो शामिल है। सूत्रों ने बताया कि क्वाड का शिखर सम्मेलन जनवरी में भारत में नहीं होगा और इसे 2024 में बाद में भारत में कराने का प्रस्ताव दिया गया है।

असम के रंगिया जिले के मिरांजना ब्लॉक में मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

खुशी कपूर को मिली करण जौहर की फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर ने हाल ही में 'द आर्चीज' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया है। खुशी की ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई और फिल्म में उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है। इन सबके बीच खबर आ रही है कि खुशी के हाथ एक और बड़ी फिल्म लग गई है और वे फिल्म में सारा अली खान के भाई और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ रोमांस करती नजर आएंगीं। खास बात ये है कि इस इस रोम-कॉम फिल्म के मेकर करण जौहर हैं।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र से जानकारी मिली है कि इब्राहिम अली खान और खुशी ने साथ में एक फिल्म साइन कर ली है और अगले साल इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू हो जाएगी। यह भी कहा जा रहा है कि यह फिल्म डायरेक्ट टू डिजिटल रिलीज होगी। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने कहा, यह उनके डिजिटल विंग, धर्मैटिक्स द्वारा निर्मित एक डायरेक्ट-टू-डिजिटल प्रोजेक्ट के रूप में योजना बनाई जा रही है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी और इसका निर्देशन शाउना गौतम करेंगी। मेकर्स स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए एक लीडिंग ओटीटी प्लेयर के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

अपने डायरेक्शन की शुरुआत करने के लिए तैयार शाउना गौतम ने कुछ बड़े बैनर की बॉलीवुड फिल्मों में एडी के रूप में काम किया है। इस साल की शुरुआत में, वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से जुड़े थे और 2018 में, वह राजू हिरानी के गाइडेंस में एडी के रूप में रणबीर कपूर स्टारर फिल्म संजू का हिस्सा थे। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान पहले से ही अपने एक्टिंग डेब्यू प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इब्राहिम काजोल के साथ एक एक्साइटिंग फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म की डिटेल अभी सीक्रेट रखी गई है। ख़ुशी ने हाल ही में द आर्चीज़ में डेब्यू किया है। हालाँकि, इंस्टाग्राम पर उनकी पहले से ही बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। फिल्म में खुशी के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी नजर आए थे।

दीक्षांत

पटना में मंगलवार को एसकेएम हॉल में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय (पीपीयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में अपने पदक दिखाते छात्र।

'खो गए हम कहां' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे, अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी, और आदर्श गौरव स्टारर फिल्म 'खो गए हम कहां' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'खो गए हम कहां' में तीन दोस्तों की कहानी है जो डिजिटल वर्ल्ड की कॉम्पलेक्सिटी में फंसे हैं। ट्रेलर वीडियो में अनन्या पांडे एक फोटो क्लिक करते हुए नजर आई हैं, जबकि सिद्धांत चतुर्वेदी सोशल मीडिया पर स्टैंडअप करते हुए दिखे गए हैं। फिल्म 'खो गए हम कहां' में अनन्या पांडे अहाना की भूमिका निभाती नजर आएंगी जबकि सिद्धांत चतुर्वेदी इमाद के रोल में और आदर्श गौरव नील की भूमिका में नजर आएंगे। 'खो गए हम कहां' का निर्देशन अर्जुन वैरन सिंह ने किया है और कहानी जोया अख्तर और रीमा कागती ने लिखी है। यह फिल्म 26 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

फिल्म 'जया' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

फिल्म जया का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने निर्माता रत्नाकर कुमार की आने वाली फिल्म जया का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म जया में माही श्रीवास्तव और दया शंकर पांडे की मुख्य भूमिका है।फिल्म 'जया' का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। निर्माता रत्नाकर कुमार ने कहा कि जितना शानदार दशकों को इसका ट्रेलर दिख रहा है। उससे भी बहुत शानदार फिल्म बनी है। जो दर्शकों के दिलों दिमाग पर छा जाएगी और यही पूछेगी की क्या आज भी समाज में ऐसा कुछ होता हूं या हो सकता है। बस मैं आप सभी से यही कहूंगा कि इस फिल्म को आप सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखिएगा। क्योंकि यह फिल्म मनोरंजन के साथ साथ एक संदेश भी देती है।

माही श्रीवास्तव ने कहा कि जब फिल्म जया शूट कर रहे थी तो मेरे रोंगटे खड़े हो रहे थे। क्योंकि हर सीन में एक्सप्रेसशन से लेकर बॉडी लैंग्वेज पर बहुत ही ध्यान से काम करना पड़ा था मुझे। जया के किरदार को करने से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। फ़िल्म बहुत ही बढ़िया कहानी पर बन कर तैयार है। आप सभी ट्रेलर देखकर अपनी अमूल प्रतिक्रिया अवश्य दें।

वर्ल्डवाइड चैनल और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत फ़िल्म जया के निर्माता रत्नाकर कुमार और को प्रोड्यूसर निवेदिता कुमार हैं, वही इसके निर्देशक धीरू ठाकुर है।फिल्म का लेखन धर्मेंद्र सिंह ने किया है।फिल्म के लिरिक्स समीर सय्यद ने लिखे हैं। वही फिल्म का म्यूजिक साहिल खान एंड धीरू यादव ने तैयार किया है। फिल्म जया में माही श्रीवास्तव, दया शंकर पांडे, सुकेश आनंद, मनु कृष्णा, महेश आचार्य, धर्मेंद्र सिंह, राव रणविजय, ओमी कश्यप, रंभा साहनी, सोनाली मिश्रा, जुबेर शाह, योगेश पांडे, सोनू कुमार, निरंजन चौबे, अनामिका राय, नीरज कुमार सिंह, अनिता तिवारी, राम बिलास सिंह, सरिता सिंह, उत्पल सिंह, अभिषेक सिंह हैं।

मेनुका पौडेल प्रभास की फिल्म में करेंगी प्लेबैक सिंगिंग !

मुंबई/एजेन्सी

सोनी टीवी का सिंगिंग रिएलिटी शो इंडियन आइडन 14 हमेशा की तरह इस बार भी दर्शकों को खूब एंटरटेन कर रहा है। शो के इस सीजन में भी एक से बढ़कर एक कंटेस्टेंट्स आए हैं जो अपनी मधुर आवाज का जादू चला रहे हैं। इन्ही में से एक कंटेस्टेंट हैं मेनुका पौडेल। इनकी आवाजा के ना सिर्फ जज बल्कि शो में आए गेस्ट भी दीवाने हो जाते हैं। गौरतलब है कि मेनुका देख नहीं सकती हैं लेकिन वे अपनी आजाव से सभी को अपनी ओर आकर्षित कर देती हैं। वहीं, अब अपनी इसी जादुई आवाज से उन्होंने अपने लिए एक बड़ा रास्ता खोला है। दरअसल, मेनुका को प्रभास की अपकमिंग फिल्म सालार के निर्देशक प्रशांत नील ने गाने का ऑफर दिया है।

इस बात की जानकारी शो के होस्ट हुसैन कुवाजेराला ने दी है। उन्होंने बताया कि साउथ के जाने माने डायरेक्टर प्रशांत नील को मेनुका की आवाज इतनी पसंद आई है कि उन्होंने मेनुका अपनी फिल्म में एक गाना गाने का ऑफर दिया है। मेनुका के प्ले बैक सिंगिंग में ये मौका मिलने पर सभी जज और उनके फैंस बेहद खुश हैं और उन्हें बधाईयां दे रहे हैं। इस बार इंडियन आइडल 14 को श्रेया घोषाल, विशाल डडलानी होस्ट कर रहे हैं। इस हफ्ते जहाँ मेनुका को बड़ा ऑफर मिला है तो वहीं शो से एक कंटेस्टेंट्स का सफर खत्म हो गया है। ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं बल्कि सुरेंदर कुमार हैं। कम वोट के चलते वो शो से बाहर हो गए हैं।

जरीन खान को मिली राहत, अदालत ने दी अंतरिम जमानत

मुंबई/एजेन्सी

'वीर' फिल्म में सलमान खान के साथ काम कर चुकीं एक्ट्रेस जरीन खान को कोलकाता की एक अदालत ने धोखाधड़ी मामले में राहत दी है। जरीन सोमवार (11 दिसंबर) को सियालदह कोर्ट में पेश हुईं। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत देते हुए देश से बाहर नहीं जाने का आदेश दिया है। जरीन को 30 हजार रुपए के बॉन्ड पर 26 दिसंबर तक के लिए यह राहत दी गई है। जरीन को आदेश दिया गया है कि कोलकाता पुलिस को सूचित करने के साथ इजाजत लिए बगैर वह देश से बाहर नहीं जाएंगी। पेशी के वक्त जरीन ने चेहरा नीले मास्क से ढंका हुआ था और ब्लैक कलर की कैप पहनी थी। बता दें कि जरीन के खिलाफ यह मामला साल 2018 में दर्ज किया गया था। तब एक दुर्गा पूजा फंक्शन में शामिल होने के लिए 12 लाख रुपए एडवांस लेकर भी वह इवेंट में नहीं पहुंची थीं। इस पर इवेंट ऑर्गेनाइजर्स ने जरीन के खिलाफ कोलकाता के नारकेलडांगा में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर दिया। जरीन ने सफाई देते हुए कहा था कि फ्लाइट टिकट और अन्य चीजों को लेकर मिसकम्युनिकेशन हुआ था जिसके चलते वह इवेंट में नहीं पहुंच सकीं। जरीन ने बॉलीवुड में 'वीर' से धमाकेदार डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3', '1921' और 'अक्सर 2' जैसी फिल्मों में देखा गया। फिल्म इंडस्ट्री में जरीन को कैटरीना कैफ की हमशक्ल कहते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 13-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भविष्य के लिए संग्रह ही दुख का कारण है। अगर पशु-पक्षी की तरह मनुष्य भी वर्तमान में जीने लगे तो वह भी दुखी नहीं होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि दुख कल की चिंता में है, कल के लिए जो संग्रह हो रहा है, उसमें दुख है। वहीं दुख मन में असंतोष पैदा करता है, जिस कारण आज प्रत्येक व्यक्ति अपने सिर पर भविष्य की चिंता की गठरी लिए भागे जा रहा है। पक्षी अपने जीवन के एक-एक क्षण को भोग लेता है और मनुष्य को पूरे जीवन में एक क्षण भी जीने का सौभाग्य नहीं मिलता। कोयल आधी रात में वृक्ष की डाली पर गाती रहती है और मनुष्य उस समय चिंता की अग्नि में जलता रहता है, क्योंकि उसे और चाहिए।

खरतरगच्छीय संतों ने किया तिरुपूर की ओर विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर में चातुर्मास सम्पन्न कर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसागरजी के शिष्यरत्न मुनिश्री मुक्ति प्रभसागरजी, मनीषप्रभसागरजी और मतिशप्रभसागरजी ने मंगलवार को शांतिनगर स्थित महावीर गौशाला से तिरुपुर की ओर विहार प्रारंभ किया।

विहार करते हुए संतगण स्ट्रांग ग्लास फैक्ट्री पहुंचे, जहां । स्ट्रांग ग्लास फैक्ट्री के निदेशक राकेश शांतिलाल बंदामुथा ने संतों का स्वागत किया। इस मौके पर विहार सेवा में अर्हम सेवा ग्रुप के सदस्य सुरेश खिंवसरा, धनराज दयालाल, गौतम चौहान, राकेश मेहता, श्रीपाल कोठारी, सुरेंद्र गोलेछा, दीपक नाहटा, श्यामसुंदर लूनिया आदि उपस्थित थे। बुधवार को संतगण तिरुपूर की ओर विहार करेंगे।

'गुरु का स्थान ईश्वर से भी महान होता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरीयूर। बेंगलूरु से हिरीयूर जैन मंदिर में साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि शांतिनाथ भगवान के साक्षात दर्शन कर मन प्रसन्न हुआ। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि मित्र गलत हो तो इंसान गुमराह हो जाते हैं और मित्र सही हो ता जीवन बन जाता है। जीवन की हर समस्या का टोल फ्री नंबर है मित्र, क्योंकि एक अच्छा मित्र इंसान के बुरे वक्त को भी अच्छा बना देता है। पारस भंसाली ने कहा कि गुरु के निस्पृह तथा वीतराग व्यक्तित्व की पूजा सदा से होती आई है और होती रहेगी, क्योंकि वह सरस्वती का साधक होता है और सब दानों में श्रेष्ठ व अमूल्य विद्या दान करता है। सनातन संस्कृति में गुरु को सदैव नमन किया गया है। गुरु का स्थान ईश्वर से भी महान बताया गया है। सुनील कुंकुलोल ने तीन दिन उपवास करके विहार सेवा का लाभ लिया। हिरियूर से विजयराज गादिया ने सेवा का लाभ लिया। साध्वीवृंद गुरुवार को चित्रदुर्ग पहुंचेगी। पारस भंसाली ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सन्तों का समागम परमपुण्य से मिलता है : साध्वी सुंधाकवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन स्थानक में विराजित साध्वीश्री यंशकवरजी की शिष्या साध्वीश्री सुंधाकवरजी म.सा ने कहा कि सन्तों का समागम अन्त परमपुण्य से मिलता है, सन्तों के दर्शन करने से जिनवाणी श्रवण करने को मिलती हैं, जिनवाणी श्रवण करने से ज्ञान और विज्ञान कि जानकारी होती है, जहां व्यक्ति पाप ओर पुण्य,बन्ध ओर मोक्ष को अच्छी तरह समझ लेता है, फिर वह त्याग कि ओर अग्रसर होता है। 'सम्मनाणे य विन्नाणे' व्यक्ति संयम के मार्ग पर बढता हुआ आश्रव से स्वर में प्रविष्ट हो जाता है। तप की साधना करते हुए कर्मों की निर्जरा कर लेता है,अन्त में सिद्धि को प्राप्त कर लेता है।

सन्तों का समागम व्यक्ति को नयी दिशा और नई राह प्रदान करता है,पापी व्यक्ति भी पुनित बन जाता है। इन्सान से भगवान बन जाता है। महापुरुषों का समागम चन्दन के वृक्ष के समान होता है जो शीतल छाया के साथ सुगंध भी देता है। प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए सुयशाश्रीजी म.सा ने .कहा कि हम अपने दुख और सुख से सुखी और दुखी नहीं है हम औरों के बारे में सोच सोचकर दुखी हैं।

कोई व्यक्ति हमारे विपरीत कुछ बोल दे तो हम अपने आपको दुखी बना देते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि इन सबसे ऊपर उठकर परमात्मा वीतराग प्रभु कि वाणी जो सबके लिए एक समान है जिसको आत्मसात करते हुए जीवन को धन्य बनाना होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में गौतम एवं आकाशकुमार दक व अभिषेक कोठारी परिवार के सहयोग से अमावस्या के मौके पर सिटी मार्केट के पास 10वां महाप्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 350 लोग लाभान्वित हुए। बेंगलूरु चैप्टर की चेयरपर्सन भारती छाजेड़, सचिव विजयराज जैन, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, सलाहकार रमेश दक, आकाश दक, अक्षय दक, कैलाश जोशी, दिलीप मेहता ने मानवसेवी कार्य में सहयोग दिया।

'वीरों का मार्ग है संयम मार्ग'

अलसूर में दो मुमुक्षुओं का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में साध्वीश्री स्वर्णप्रभाजी के सान्निध्य में मुमुक्षु सूरज कांकरिया एवं अक्षय सहलोत का स्वागत करते हुए खोल भराई की गई। महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री स्वर्णप्रभाजी ने मुमुक्षु द्वय को संयम मार्ग से परिचय कराते हुए कहा कि आप महावीर के वीरों के मार्ग से स्वयं को जोड़ रहे हो। संयम यात्रा में परिषह तो आते ही हैं। परंतु अपने मन को सदैव दृढ रखना और साधना के मैदान में जूझ जाना। साध्वीश्री चिन्मयश्री ने कहा कि अब आगम वाणी और गुरु आज्ञा ही आलंबन होंगे। मुमुक्षु महावीर के सेनानी होते हैं जो मरने से भी नही डरते हैं। संयम राजमार्ग हैं और संयमी प्रलोभनो में कभी नही भटकता हैं।

मुमुक्षु अक्षय एवं सूरज ने अपने संकल्प को मजबूत बताते हुए कहा कि हमने दो साल तक अभ्यास किया है और हमें संयम मार्ग उचित और श्रेष्ठ लगा है और आगामी 18 फरवरी को आचार्यश्री विजयराजजी के सान्निध्य में इन्दौर में दीक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने मुमुक्षु द्वय का जीवन परिचय देते हुए संघ की शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया एवं शांत क्रान्ति संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष महेन्द्र चोपड़ा के नेतृत्व में दोनों मुमुक्षुओं का सम्मान किया गया।

एमवी डायबिटीज सेंटर द्वारा 'एमवी सर्जिकल बूट' का अनावरण किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एमवी डायबिटीज तथा प्रोफेसर एम विश्वनाथन मधुमेह अनुसंधान केंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस की स्मृति में एमवी सर्जिकल बूट का अनावरण किया गया। एमवी सर्जिकल बूट देश में विकसित एक ऑफ लोडिंग डिवाइस है जिसका मुख्य उद्देश्य मधुमेह पीड़ित व्यक्ति के घाव को यथाशीघ्र भरने एवं संक्रमण को प्रभावी तरीके से रोकने के लिए विकसित किया गया है। लॉंच कार्यक्रम का आयोजन मधुमेह रोगियों के पैरों की देखभाल तथा मधुमेह से जुड़ी जटिलताओं की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में संस्थान द्वारा मधुमेह रोगियों के पैरों में हुए संक्रमण तथा उनके उपचार पर किए गए अध्ययन की एक विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा निदेशालय चेन्नई के चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. जे. संगुमणी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बोलते हुए एमवी डायबिटीज रिसर्च सेंटर के प्रमुख डॉ. एम विश्वनाथन ने बताया कि सर्जिकल बूट एक ऑफ लोडिंग डिवाइस है जो उन मधुमेह रोगियों के लिए उपयोगी है जिनके पैरों में अल्सर की समस्या होती है । सर्जिकल बूट का प्रयोग करने से उपचार का समय काफी कम हो जाता है इसके प्रयोग से अल्सर का आकार भी छोटा हो जाता है ।

मुख्य अतिथि डॉ. जे. संगुमणी ने कहा कि एमवी डायबिटीज सेंटर द्वारा अपने इनहाउस विनिर्माण इकाई में विकसित यह नया उपकरण मधुमेह रोगियों के लिए एक वरदान है इसमें मधुमेह रोगी कम लागत के साथ कम समय में उपचार करा सकेंगे।

भंसाली समाज दक्षिण का अधिवेशन 17 दिसंबर को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय भंसाली समाज (दक्षिण) के अध्यक्ष कैलाश भंसाली द्वारा प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समाज का चौदहवां अधिवेशन 17 दिसंबर को वीरडेंसी रिसोर्ट में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भंसाली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुखराज भंसाली एवं वरिष्ठ कार्डियोलोजिस्ट डॉ. मितेश कुमार होंगे। कार्यक्रम के प्रायोजक घेवरचंद मीठालाल दीपचंद अरुणकुमार महेन्द्रकुमार भंसाली परिवार है। इस मौके पर डॉ. मितेश कुमार द्वारा हृदय रोग के बारे में जानकारी दी जाएगी।

श्याम दीवाने का वार्षिकोत्सव व भजन संध्या रविवार को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्याम दीवाने संस्था द्वारा 17 दिसम्बर को जेपी नगर स्थित सिंदूर कन्वेंशन सभागार में 'श्री श्याम शरणम' नामक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस 11 वें वार्षिकोत्सव व भजन संध्या के लिए श्याम दीवाने के चारों संस्थापक सदस्य नंदलाल सोनी, ओम राठी, देव कोठारी, गिरी बागड़ी श्याम दीवाने की पूरी टीम के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य दरबार व शीश का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। दोपहर 3 बजे से पूजन कर ज्योत प्रज्वलित की जाएगी तथा उसके बाद अमृतसर के गायक तेजी ब्रदर्स और राजस्थान नोखा के गायक दिनेश हिंदुस्तानी बाबा के भजनों की प्रस्तुति देंगे।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक युवा शाखा ने की गौसेवा

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस, कर्नाटक युवा शाखा द्वारा अमावस्या के उपलक्ष्य में हेसरघट्टा स्थित रंगनाथ गोड़िया मठ गौशाला में जीवदया का कार्य किया। कर्नाटक शाखा के प्रांतीय प्रचार प्रसार मंत्री पुखराज आचलिया, मंत्री दिनेश पोरवाड़, कर्नाटक युवा शाखा के अध्यक्ष विकास कोठारी, प्रमुख मागदर्शक सुनील लोढ़ा, महामंत्री मनोज बोहरा, उपाध्यक्ष शंकर दक, मानव सेवा योजना अध्यक्ष राकेश संचेती, वैयावच्च युवा अध्यक्ष नवनंदित लुंकड़, मंत्री दिलीप हिरण आदि ने गायों को मकई का घास, रोट्यिां, गुड व बंदरों को केले वितरित किए ।

अमावस्या के मौके पर राजस्थान संघ ने किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के तत्वावधान में लाभार्थी भवरलाल, सुरेशकुमार, महेंद्रकुमार, राजेशकुमार श्रीश्रीमालके सौजन्य से कॉटनपेट स्थित राज टॉवर के सामने अमावस्या के उपलक्ष्य में महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन रखा गया जिसमे 678 व्यक्तियों ने लाभ लिया।

लाभार्थी परिवार के सुरेश श्रीश्रीमाल, राजेश श्रीश्रीमाल सहित ट्रस्ट के कैलाश संखलेचा, भोपाल सोनवाडिया, सुरेश धोका, रामलाल गन्ना, रमेश दक, अशोक छाजेड़, राजेश गादिया,कुशल लुणिया, ललित धारीवाल, दिलीप मेहता, कैलाश जोशी, कविता पोरवाल, आनंद राव आदि ने अपना सहयोग दिया।

विनाश का प्रमुख कारण अहंकार ही है : आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

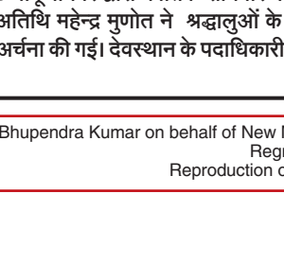

बेंगलूरु। 'राजा, रंक किसी के लिए अहंकार फलदायी नहीं है। विनाश का प्रमुख कारण अहंकार ही हैं। धन, संपदा, यश, वैभव, कीर्ति, ताकत किसी भी चीज का घमंड मनुष्य में नहीं होना चाहिए और यदि ऐसा है तो एक समय यह सभी तत्व साथ छोड़ देते हैं। अहंकार हमें पतन की ओर ले जाता है। हमारे शास्त्रों में इसका स्पष्ट उल्लेख भी हैं।' यह बातें आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने मैलापुर के श्री वासुपूज्यस्वामी जैन संघ में प्रवचन में व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि नम्रता, विनम्रता और सहिष्णुता व्यक्ति को सदैव शिखर पर ले जाती है। सहृदयी व्यक्ति का आदर और सम्मान हर जगह हैं। पद, प्रतिष्ठा गुरुदेवों की विशेष कृपा पर प्राप्त होती हैं। इसका सुख भोगने वाले अक्सर अहंकार में आ जाते हैं। उन्हें लगता है कि अब उनके मुकाबले कोई नहीं हैं। यही अहंकार उन्हें एक दिन घुटन में डाल देता है। व्यक्ति के जीवन के दुखों का कारण अहंकार ही होता है व्यक्ति खुद को श्रेष्ठ समझता है और अहंकारवान बन जाता है पर जब सच्चाई सामने आती है तो वह परेशान होता है। अहंकार का शिकारी खुद के बारे में नहीं सोचता है, वह खुद को दूसरो से बेहतर समझता है।

आचार्यश्री ने कहा कि हमें अपने जीवन को सफल बनाने के लिए तथा अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए अहंकार कि इस बीमारी को दूर भगाना होगा। अपने जीवन में नम्रता को स्थान देना चाहिए किसी व्यक्ति को नीचा नहीं समझना चाहिए सभी के पास ज्ञान होता है. अहंकार से व्यक्ति की आंतरिक शक्तियां छीन होती है। अहंकार से मुक्ति के लिए हमें किसी व्यक्ति से तुलना नहीं करनी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में खुद को श्रेष्ठ ना समझें अहंकार व्यक्ति के चरित्र को क्षति पहुंचाता है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वीरेश्वर देवस्थान ट्रस्ट बापूजीनगर द्वारा कार्तिक सोमवार के अवसर पर विशेष पूजा उत्सव का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि महेन्द्र मुणोत ने श्रद्धालुओं के साथ प्रभु दर्शन कर रुद्राभिषेक, क्षीराभिषेक, बिलवा अर्चना, पूजा अर्चना की गई। देवस्थान के पदाधिकारी शिवराजू एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुणोत का सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

खजूर पर अटके

गिरे जो आसमां से, हम खजूर पर अटके,
तमाम उम्र गुलिस्तां में, बेसबब भटके।

सियासी चाल समझते हैं, ख़ूब हम लेकिन,
वही कहेंगे, सिखाया गया है जो रट के।

बड़ी उदार हैं साँसें, नहीं उखड़ पातीं,
जिगर में आ चुके हैं, बारहा कई झटके।

ज़बान खोलने से पहले, झुकती हैं नज़रें,
हमारे लफ़्ज भी, होते हैं दोस्तो हटके।

गुलों की चाह थी, हो हमसे उनकी अगवानी,
तमाम उम्र चमन वालों, को फ़कत खटके।

उगलते ख़ार तो शायद, अज़ीज़ बन जाते,
हमेशा फल दिए सबको, तो रह गये कट के।

हमेशा प्यास लिए, लौटना पड़ा 'नवरंग'
बहुत करीब जाके, रह चुके हैं पनघट के।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

अमावस्या महाप्रसादी के तहत हजारों जरुरतमंदों को कराया भोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा आयोजित 67वीं अमावस्या महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें लगभग 4500 से भी अधिक जरुरतमंदों को भोजन का वितरण कराया गया। इस महाप्रसादी में सेवा देने में अध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल, विनोद गोलेच्छा, विनोद चोरडिया, रमेश चोपड़ा, किरण बोहरा, मनोहर बाफना, अनिल पोकरणा, गौतमचंद मरलेचा, महेंद्र बाफना, उत्तमचंद चुत्तर, रितु संचेती, सीमा गुप्ता (एडवोकेट), मंजूनाथ राव आदि उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.